वर्ष : 34 ▸ अंक :38 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, मंगलवार, 15 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

तेलंगाना सरकार ने एससी आरक्षण को तीन ग्रुप में बांटा

▸ पेज - 8

पीएनबी घोटाला मामला

चोकसी पर शिकंजा

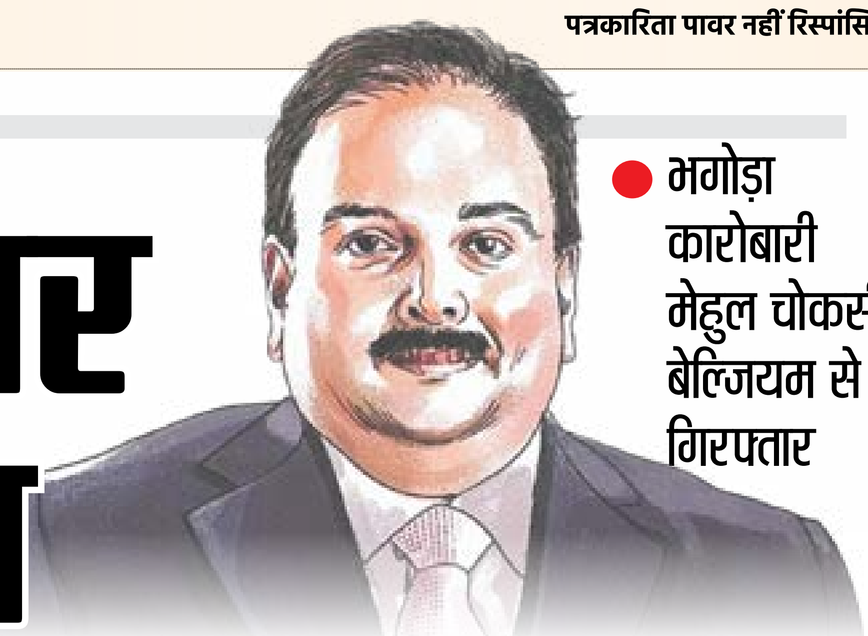

● भगोड़ा कारोबारी मेहुल चोकसी बेल्जियम से गिरफ्तार

भारत ने बेल्जियम से उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन वापस लाना आसान नहीं

एजेंसी । बेल्जियम/मुंबई

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के 13,850 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले के आरोपी, फरार हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध पर 12 अप्रैल को चोकसी की गिरफ्तारी हुई। उसे जेल में रखा गया है और अब भारत ने बेल्जियम से उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चोकसी का स्वास्थ्य कारणों का हवाला

चोकसी ने अपनी गिरफ्तारी के बाद अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए बेल्जियम कोर्ट में जमानत की अपील की है। वह बेल्जियम अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ एंट्वर्प में रह रहा था, और उसने कहा कि वह इलाज कराने के लिए वहां आया था।

स्विट्जरलैंड भागने की तैयारी कर रहा था चोकसी

चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी। सूत्रों के मुताबिक, मेहुल चोकसी बेल्जियम से स्विट्जरलैंड भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे।

वकील बोले- इलाज के लिए प्रत्यर्पण रोकने की अपील करेगा चोकसी

चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि उनका मुवक्किल जमानत के लिए अपील दायर करेगा। इस दौरान वह यह भी अपील करेगा कि उसे हिरासत में न रखा जाए और कैद से बाहर रहकर उसे खुद का बचाव करने और प्रत्यर्पण अपील का विरोध करने की अनुमति दी जाए। वकील ने कहा कि अपील में कहा जाएगा कि चोकसी के भागने का कोई जोखिम नहीं है। वह बहुत बीमार है और कैंसर का इलाज करा रहा है।

पत्नी की मदद से हासिल किया रेजिडेंसी कार्ड

चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम का 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' हासिल किया था, जो कथित तौर पर उसकी बेल्जियन नागरिक पत्नी की मदद से प्राप्त किया गया था। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चोकसी ने बेल्जियम अधिकारियों को फर्जी दस्तावेज सौंपे थे। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता छिपाकर गलत जानकारी दी, ताकि उसे भारत न भेजा जा सके। 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी बार-बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार करता रहा। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती थी। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं। चोकसी का भतीजा नीरव मोदी भी इस घोटाले में आरोपी है और लंदन में प्रत्यर्पण कार्यवाही का सामना कर रहा है।

एंटीगुआ से डोमिनिका पहुंचा, जेल में 51 दिन रहा था

चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। CBI की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची, लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया। हालांकि, डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। यहां उसने दलील दी थी कि वो एंटीगुआ जाकर वहां के एक न्यूरोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट कराना चाहता है। एंटीगुआ पहुंचने के कुछ दिन बाद डोमिनिका की अदालत ने चोकसी के खिलाफ दर्ज केस भी खारिज कर दिए।

व्हिसलब्लोअर बोले- चोकसी को वापस लाना आसान नहीं

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के व्हिसलब्लोअर हरिप्रसाद एसवी ने मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी पर कहा कि प्रत्यर्पण कोई आसान काम नहीं है। उसका बटुआ भरा है। वह यूरोप के सबसे अच्छे वकीलों को हायर करेगा। जैसा कि विजय माल्या कर रहा है। इसलिए भारत के लिए उसे वापस लाना आसान नहीं है हरिप्रसाद ने कहा कि चोकसी भले ही वह एंटीगुआ में पकड़ा गया था, लेकिन वह वहां से भागने में कामयाब रहा क्योंकि उसके पास वकीलों का एक बड़ा दल था। भारत सरकार के लिए यह इतना आसान नहीं होगा, हालांकि मुझे उम्मीद है कि इस बार सरकार सफल होगी।

घोषित करने संबंधी ईडी की याचिका सात साल से अटकी

मेहुल चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका मुंबई की अदालत में पिछले सात वर्षों से लंबित है।चोकसी (65) और उसके भांजे नीरव मोदी पर पीएनबी धोखाधड़ी का आरोप है, जिसमें वे मुख्य आरोपी माने जा रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जुलाई 2018 में चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित करने के लिए आवेदन किया था, साथ ही उसकी संपत्तियों को जब्त करने का भी अनुरोध किया था। हालांकि, सुनवाई अब तक स्थगित रही है, और अदालत इस पर कोई निर्णय नहीं ले पाई है। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि अदालत कम जरूरी मामलों में व्यस्त रही है, जिससे चोकसी के एफईओ मामले की सुनवाई बार-बार स्थगित हो रही है।

मुंबई में खत्म हुआ जलसंकट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

▸▸ जल टैंकर संघ ने खत्म की हड़ताल, जलापूर्ति बहाल

▸▸ बैठक में हुआ फैसला, बीएमसी ने दी 15 जून तक राहत

मुंबईवासियों के लिए राहत की खबर है। शहर में बीते कुछ दिनों से चल रही जल टैंकर संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल अब खत्म हो गई है। सोमवार को बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के साथ हुई बैठक में मुंबई वाटर टैंकर एसोसिएशन (MWTA) ने तत्काल प्रभाव से हड़ताल वापस लेने और जलापूर्ति बहाल करने की घोषणा की। हड़ताल का कारण निजी कुओं और बोरवेल से जुड़ी बीएमसी की नई शर्तें थीं, जिनके विरोध में टैंकर संघ ने 10 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। इस हड़ताल के कारण आवासीय सोसायटियों, रेलवे और निर्माण परियोजनाओं में पानी की भारी किल्लत हो गई थी।

बीएमसी ने अपनाया सख्त रुख

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीएमसी ने रविवार को आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 लागू कर दिया, जिससे जल टैंकरों और निजी जलस्रोतों पर नियंत्रण पाया जा सके। इसके बाद सोमवार दोपहर 4 बजे टैंकर संघ के साथ बीएमसी की बैठक बुलाई गई।

हड़ताल समाप्त करने का एलान

MWTA महासचिव राजेश ठाकुर ने कहा, "हमने हड़ताल तत्काल प्रभाव से खत्म करने का निर्णय लिया है और मुंबई में जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।" बीएमसी ने नोटिस पर 15 जून तक रोक लगाने का आश्वासन दिया है।

डिप्टी सीएम शिंदे ने निभाई भूमिका

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वयं हस्तक्षेप किया और बीएमसी कमिश्नर से बात कर स्थिति को नियंत्रण में लाने की अपील की। उन्होंने टैंकर संचालकों को भरोसा दिलाया कि 15 जून तक किसी नियम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने एनडीए से गठबंधन तोड़ा

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) छोड़ रही है। बिहार के पटना में बोलते हुए पारस ने दावा किया कि 2014 से एक वफादार सहयोगी होने के बावजूद, पार्टी के दलित मूल के कारण लोकसभा चुनावों के दौरान उसके साथ अनुचित व्यवहार किया गया। यह घटनाक्रम बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले हुआ है।

...तो मुंबई मनपा चुनाव में उम्मीदवार नहीं मिलेंगे : पाटील

मुंबई। प्रदेश के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील ने दावा करते हुए कहा है कि शिवसेना (उद्धव) प्रदेश की महायुति सरकार में शामिल होना चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि शिवसेना (उद्धव) पीछे पड़कर और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार तथा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को मनाकर सत्ता में शामिल नहीं हुई तो पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को मुंबई मनपा चुनाव में उम्मीदवार नहीं मिलेंगे। नाशिक में पाटील के बयान पर शिवसेना (उद्धव) के सांसद संजय राऊत ने जोरदार पलटवार किया है। राऊत ने कहा कि हमें सत्ता के लिए शाह का पैर नहीं चाटना है। हम लोग इतने लाचार और गिरे हुए नहीं है। शिवसेना (उद्धव) को भाजपा के साथ सत्ता में शामिल नहीं होगी। इसलिए मंत्री पाटील को उद्धव नहीं बल्कि अपनी चिंता करनी चाहिए।

यौन संबंध बनाने का हर मामला दुष्कर्म का अपराध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि 'शादी का वादा करके यौन संबंध बनाने का हर मामला दुष्कर्म का अपराध नहीं माना जाएगा। शीर्ष अदालत ने दुष्कर्म के मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की है।

मुंबई लोकल में अब सफर होगा और भी 'कूल'

सेंट्रल लाइन पर 14 नई एसी ट्रेनों की शुरुआत 16 अप्रैल से

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गर्मियों की तपिश में मुंबईकरों के लिए राहत की खबर है। सेंट्रल रेलवे अब लोकल यात्रा को और अधिक आरामदायक बनाने जा रहा है। 16 अप्रैल से सेंट्रल लाइन पर 14 नई एसी लोकल ट्रेनों की शुरुआत की जाएगी। इन नई ट्रेनों के जुड़ने से एसी लोकल सेवाओं की कुल संख्या 66 से बढ़कर 80 हो जाएगी।

हालांकि ये सभी नई एसी लोकल ट्रेनें मौजूदा नॉन-एसी ट्रेनों की जगह पर चलेंगी। यानी गैर-एसी ट्रेनों की संख्या में थोड़ी कमी आएगी।

नई सुविधाएं, लेकिन कुछ शर्तों के साथ

ये एसी लोकल सेवाएं सोमवार से शनिवार तक चलाई जाएंगी, जबकि रविवार और सरकारी छुट्टियों के दिन नॉन-एसी सेवाएं ही जारी रहेंगी। वर्तमान में सेंट्रल रेलवे की एसी लोकल ट्रेनों में रोज़ाना 84,000 यात्री सफर करते हैं। नई एसी सेवा की पहली ट्रेन सुबह 7:34 बजे कल्याण से रवाना होकर 9:05 बजे सीएसएमटी (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) पहुंचेगी। इसके अलावा ठाणे और सीएसएमटी के बीच भी चार नई एसी लोकल सेवाएं शुरू की जाएंगी।

मुंबई भाजपा में बड़े बदलाव की तैयारी

▸▸ नए अध्यक्ष की रेस में दो नाम आगे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भाजपा में संगठनात्मक बदलाव की बड़ी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मंडल स्तर से लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व तक फेरबदल की तैयारी है। खास तौर पर मुंबई में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष पद के लिए दो प्रमुख नेताओं – प्रवीण दरेकर और अमित साटम के नामों पर मंथन चल रहा है।

संगठनात्मक फेरबदल पर हुई चर्चा

सोमवार को भाजपा के मुंबई कार्यालय में एक अहम बैठक हुई, जिसमें भाजपा के केंद्रीय संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, मुंबई के सभी विधायक और जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक फेरबदल पर चर्चा हुई। प्रवीण दरेकर को महाराष्ट्र विधान परिषद में भाजपा विधायक दल का नेता बनाया गया है और वे मुंबई जिला सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक पर भी प्रभाव रखते हैं। वहीं अमित साटम लगातार तीन बार अंधेरी ईस्ट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। दोनों नेता पश्चिमी उपनगरों से आते हैं, जो कि मुंबई की राजनीति में अहम भूमिका निभाते हैं।

भाजपा की नजर स्थानीय निकाय चुनावों पर

राज्य विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के बाद अब भाजपा की नजर स्थानीय निकाय चुनावों पर है। बीएमसी चुनावों की घोषणा कभी भी हो सकती है। पिछली बार 2017 में हुए चुनावों में भाजपा ने जबरदस्त बढ़त हासिल करते हुए 31 से सीधे 82 सीटें जीती थीं। उस समय आशीष शेलार मुंबई भाजपा के अध्यक्ष थे। बाद में यह जिम्मेदारी मंगलप्रभात लोढ़ा को दी गई, लेकिन मंत्री बनने के बाद यह पद एक बार फिर शेलार को सौंपा गया। अब एक बार फिर मुंबई भाजपा अध्यक्ष को बदलने की कवायद शुरू हो गई है।

बदतर हालात में हैं सूबे के सफाई कर्मचारी

महाराष्ट्र में स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा में सरकारी नाकामी का खुलासा

▸▸ 2021 से 2024 के बीच 18 स्वच्छता कर्मियों की हुई मौत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

केंद्र सरकार द्वारा मुंबई, पुणे, परभणी, सातारा और शिरुर में कराए गए एक सामाजिक ऑडिट में महाराष्ट्र में स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा में गंभीर विफलताएँ उजागर हुई हैं। 2021 से 2024 के बीच 18 स्वच्छता कर्मियों की मौत हुई है। यह 'स्वच्छता कर्मियों की मौत पर सामाजिक ऑडिट रिपोर्ट 2021-24' महाराष्ट्र राज्य समाजिक ऑडिट और पारदर्शिता समाज द्वारा तैयार की गई है, जो केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशों पर स्थापित की गई थी। रिपोर्ट में शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को भी कटघरे में खड़ा किया गया है, जिन्होंने कर्मचारियों का पंजीकरण नहीं किया, जिससे उन्हें कानूनी सुरक्षा और कल्याण योजनाओं का लाभ नहीं मिल सका।

कर्मियों की मौतों और मुआवजे में देरी

ऑडिट रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लोंनी कलभोर और मुंबई में कर्मियों की मौतें इसलिए हुईं क्योंकि वे इस काम से जुड़े खतरों से अनजान थे। रिपोर्ट में स्वच्छता कर्मियों के लिए मुआवजे की पैकेज का भी उल्लेख किया गया, जो या तो अपनी जान गंवा बैठे थे या स्थायी चोटों का सामना कर रहे थे। रिपोर्ट ने दावा किया गया कि मृतक कर्मियों के परिवारों को मुआवजा देरी से मिला या गलत तरीके से वितरित किया गया। एक सर्वाइवर को स्थायी आंखों की क्षति हुई और वह बिना किसी मदद के अपंजीकृत रहा।

रिपोर्ट में सुरक्षा उपायों की कमी का खुलासा

सामाजिक ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच किए गए पांच स्थानों में सुरक्षा प्रोटोकॉल, सुरक्षात्मक गियर और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की कमी थी, जबकि 'मैन्युअल स्केवेंजर्स की भर्ती और उनके पुनर्वास पर रोक' (PEMSR) अधिनियम 2013 के तहत यह कानूनी दायित्व था। रिपोर्ट में कहा गया कि परभणी, मुंबई और अन्य जिलों में कर्मियों से बिना बुनियादी सुरक्षा गियर के सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करवाए गए। कार्यस्थलों पर प्राथमिक उपचार किट या आपातकालीन बचाव उपकरण नहीं पाए गए। कई मौतें जहरीली गैसों के कारण हुईं, जो PEMSR एक्ट की धारा 7 का उल्लंघन है, जो खतरनाक मैन्युअल सफाई पर रोक लगाती है।

15 दिन में आएगी नई टोल नीति : गडकरी

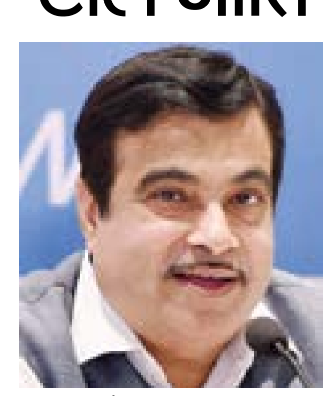

बदनावर। केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि भारत तभी 'विश्वगुरु' बन सकता है जब हम अंतरराष्ट्रीय स्तर का बुनियादी ढांचा तैयार करेंगे। अमर हिंद मंडल द्वारा आयोजित 78वें वसंत व्याख्यान माला में गडकरी ने कहा, 'अगर हम अपने देश का विकास करना चाहते हैं, अगर हम अपने देश को विश्वगुरु बनाना चाहते हैं, अपने देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं, अपने देश को पांच अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं, तो पहली आवश्यकता देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर का बुनियादी ढांचा तैयार करना है।' नितिन गडकरी ने कहा कि 'अगर भारत को 'विश्वगुरु' बनना है, तो हमें आयात कम करना होगा और निर्यात बढ़ाना होगा, लॉजिस्टिक्स लागत को एक अंक पर लाने का प्रयास करना होगा।' उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में मुंबई में वायु और जल प्रदूषण दोनों पर काम करने की जरूरत है।' गडकरी ने आगे कहा कि 'हमने कभी गुणवत्ता से समझौता नहीं किया, मैंने ठेकेदारों को कहा है कि गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए, वरना आपको जेल या ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा।' टोल को लेकर उन्होंने कहा कि '15 दिन के अंदर ऐसी नीति आ जाएगी, जिससे टोल के बारे में कोई शिकायत नहीं रहेगी।'

एमबीएमसी की पूर्व सहायक आयुक्त कंचन गायकवाड़ पर 1 लाख का जुर्माना

झूठे दस्तावेज़ पेश करने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । भायंदर

मीराभायंदर नगरपालिका निगम (एमबीएमसी) के वार्ड समिति नंबर 4 की पूर्व सहायक आयुक्त और जन सूचना अधिकारी (PIO) कंचन गायकवाड़ पर एक बड़ी धोखाधड़ी का आरोप लगा है। महाराष्ट्र राज्य सूचना आयोग (कोंकण बेंच) ने उन्हें RTI कार्यकर्ता संतोष तिवारी को झूठी और बैकडेटेड जानकारी देने के आरोप में 1 लाख का जुर्माना लगाया है। संतोष तिवारी ने 2021-22 में नये मीरापैराडाइज सोसाइटी के पुनर्विकास के लिए जरूरी अनुमति प्राप्त करने के लिए RTI दाखिल किया था। यह सोसाइटी पहले से ही कथित अवैध निर्माणों के आरोपों से घिरी हुई थी। तिवारी ने यह जानकारी मांगी थी कि कैसे रवी ग्रुप के द्वारा इस निर्माण में अनधिकृत मंजूरी दी गई थी, और इसके निर्माण में नियमों का उल्लंघन किया गया था। गायकवाड़ ने तिवारी के वैध सूचना अनुरोधों को नजरअंदाज किया, जिसके बाद तिवारी को राज्य सूचना आयोग में अपील करनी पड़ी।

न्याय की जीत

गायकवाड़ की कार्रवाई को जानबूझकर आयोग को गुमराह करने के रूप में देखा गया। सूचना आयुक्त ने उन्हें 1 लाख का जुर्माना लगाया, जिसमें प्रत्येक अपील पर 25,000 का जुर्माना शामिल था। यह राशि उनकी तनख्वाह से पांच किस्तों में काटी जाएगी।

विभागीय जांच की शुरुआत!

इसके अलावा, आयुक्त चन्ने ने एमबीएमसी आयुक्त को गायकवाड़ के खिलाफ पूरी विभागीय जांच शुरू करने का आदेश दिया है, और छह महीने के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। गायकवाड़ के खिलाफ धोखाधड़ी उजागर होने के कुछ ही दिन बाद, 20 मार्च 2025 को उन्हें एक अजीब प्रमोशन मिली और उन्हें अकोला जिले के हिवरखेड नगरपालिका परिषद में प्रमुख अधिकारी के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया। इस कदम ने कई सवाल खड़े किए हैं और राज्य सरकार की भूमिका पर संदेह पैदा किया है।

महाराष्ट्र राज्य सूचना आयोग में सुनवाई

30 जनवरी 2025 को महाराष्ट्र राज्य सूचना आयोग में सुनवाई के दौरान, गायकवाड़ ने तिवारी के आरोपों का सामना किया। तिवारी ने आरोप लगाया कि गायकवाड़ ने पहले ही 30 दिन की समयसीमा को अनदेखा किया और सूचना नहीं दी। राज्य सूचना आयुक्त ने गायकवाड़ को शो-कॉज़ नोटिस जारी किया और उनसे जवाब मांगा। लेकिन 13 मार्च 2025 को दूसरी सुनवाई में गायकवाड़ ने एक लिखित जवाब प्रस्तुत किया जिसमें दावा किया कि दस्तावेज़ जनवरी 2022 में तैयार थे लेकिन उन्हें अनदेखा कर दिया गया। लेकिन तिवारी ने इस जवाब में एक बड़ा विरोध पाया – उस पत्र में फरवरी 2025 की तारीख का संदर्भ था, जो यह साबित करता है कि गायकवाड़ ने दस्तावेज़ों को बैकडेटेड करने की कोशिश की थी।

ठाणे सत्र न्यायालय ने घरेलू हिंसा के आरोपी को दी अग्रिम जमानत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे सत्र न्यायालय ने घरेलू हिंसा के आरोपी एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी है। अदालत ने कहा कि आरोपित अपराधों के लिए आजीवन कारावास या मृत्युदंड जैसी कठोर सजा नहीं है, इसीलिए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि यह मामला वैवाहिक विवाद से संबंधित है, और इस प्रकार कुछ शर्तों के तहत आरोपी को गिरफ्तारी से पहले जमानत दी जा सकती है।

घरेलू हिंसा का मामला

अभियोजन पक्ष के अनुसार, दंपति ने दिसंबर 2008 में मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी की थी। बाद में पत्नी ने आरोप लगाया कि उसके ससुराल वालों ने 10 लाख रुपये की अवैध मांग की और उसे शारीरिक तथा मानसिक प्रताड़ना दी। अदालत ने इस पूरे मामले में जमानत की शर्तें तय कर दी हैं, ताकि आरोपी जांच और अदालती कार्यवाही में सहयोग दे सके।

जमानत के आदेश का आधार

अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय ने सात साल तक की सजा वाले अपराधों में हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं मानी है। आरोपी पर घरेलू हिंसा और शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना के आरोप हैं। अभियोजन पक्ष ने हालांकि जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी ने अपनी पत्नी और बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की और अगर जमानत दी जाती है तो वह दुबई भाग सकता है। लेकिन अदालत ने अभियोजन पक्ष की आशंका को खारिज कर दिया और आरोपी को कड़ी शर्तों के अधीन जमानत दी।

सीएसएमटी-पनवेल हार्बर लाइन पर बैनर के कारण ट्रेन सेवाएं प्रभावित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सोमवार दोपहर को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-पनवेल हार्बर लाइन पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। यह घटना मानखुर्द और वाशी स्टेशनों के बीच ओवरहेड तार पर एक बैनर लटकने के कारण हुई। मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना लगभग 3:44 बजे हुई, जिसके बाद पनवेल जाने वाली डाउन हार्बर लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही को तत्काल रोक दिया गया। अवरोध के कारण ट्रेनों के खड़ी होने से दोनों लाइनों पर ट्रेन सेवाओं में देरी हुई।

सड़क पर बैनर लटकने के बाद शीघ्र कार्यवाही

सेंट्रल रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर अवरोध को हटा दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेन सेवाएं एक घंटे से भी कम समय में बहाल कर दी गईं। हालांकि, इस व्यवधान का असर बंचिंग और कैस्केडिंग प्रभाव के रूप में पड़ा, जिससे यात्रियों को शाम तक 15 से 20 मिनट की देरी का सामना करना पड़ा।

कांदिवली में ट्राइडेंट अस्पताल का लाइसेंस रद्द

एमसीजीएम ने एसएचआरसी को किया सूचित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ग्रेटर मुंबई नगर निगम (एमसीजीएम) ने कांदिवली में कथित रूप से अवैध रूप से चल रहे ट्राइडेंट अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की है। अस्पताल का पंजीकरण रद्द कर दिया गया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। यह कदम नागरिक श्रवण राजपुरोहित द्वारा दायर की गई शिकायत के बाद उठाया गया, जिसमें उन्होंने ट्राइडेंट अस्पताल के अनधिकृत संचालन और प्रशासनिक निष्क्रियता का आरोप लगाया था। राजपुरोहित ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त दस्तावेजों से यह साबित किया कि अस्पताल को संचालन के लिए कोई वैध लाइसेंस जारी नहीं किया गया था।

अस्पताल के खिलाफ जांच और कानूनी कार्रवाई

राजपुरोहित ने सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव और एमसीजीएम के नगर आयुक्त के खिलाफ राज्य मानवाधिकार आयोग (एसएचआरसी) में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद, एसएचआरसी ने अधिकारियों को तलब कर जवाब मांगा और जांच के निर्देश दिए। एमसीजीएम ने अपने हलफनामे में बताया कि अस्पताल को पहले कांदिवली के पूजा एन्क्लेव में नर्सिंग होम के रूप में पंजीकृत किया गया था, लेकिन गंभीर खामियों के कारण अगस्त 2024 में इसका पंजीकरण रद्द कर दिया गया। इसके बावजूद, अस्पताल का दूसरा अनधिकृत संचालन जारी रहा, जिसे एमसीजीएम ने खोजा और एफआईआर दर्ज कराई। एमसीजीएम ने अस्पताल परिसर में एक सार्वजनिक नोटिस चिपका दिया, जिसमें अस्पताल को अपंजीकृत घोषित किया गया था, ताकि जनता को इस बारे में जानकारी मिल सके और वे सावधान रहें।

जंगल से बिछुड़ी हिरणी की घर वापसी

वन विभाग ने किया सफल रेस्क्यू

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के सिकुड़ते क्षेत्रफल के बीच जंगली जानवरों के शहर में भटकने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को ऐसी ही एक घटना में एक मादा चीतल (हिरणी) रास्ता भटक कर ठाणे के कसारवाड़ी एमबीसी पार्क में स्थित एक ट्रांसफार्मर केबिन में फंस गई थी।

हिरणी को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

सूचना मिलने के तुरंत बाद ठाणे वन विभाग की बचाव टीम पार्क में पहुंची और सफलतापूर्वक हिरणी को सुरक्षित बाहर निकाला। विभाग ने हिरणी की जांच के बाद उसे वापस संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ दिया। वन मंडल अधिकारी रमाकांत मोरे के अनुसार, यह कार्य येऊर के वन रेंज अधिकारी मयूर सुरवसे के मार्गदर्शन में किया गया।

पशु चिकित्सा अधिकारी ने की हिरणी की जांच

बचाए जाने के बाद मादा हिरणी की जांच वन विभाग के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय जंगली ने की। पूरी प्रक्रिया के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी रमाकांत मोरे, सुभाष चव्हाण, विनोद ठाकुर, वैभव पाटिल और अन्य कर्मचारी भी बचाव टीम का हिस्सा थे।

कलंबोली पुलिस ने चार हाईवे लुटेरों को किया गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

कलंबोली पुलिस ने चार हाईवे लुटेरों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने महाड से कामोठे जा रहे एक व्यक्ति पर हमला कर लूटपाट की। यह घटना 13 अप्रैल की रात लगभग 1 बजे हुई, जब महाड निवासी स्वप्निल सकपाल (33) रोडपाली सिग्नल के पास से गुजर रहे थे। तभी बीमा कॉम्प्लेक्स के पास दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लुटेरों ने उनका सामना किया, उन्हें पीटा और नकदी लूट ली।

तत्काल पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारी

स्वप्निल सकपाल ने लूट की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी, जिसके बाद कलंबोली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्धों का पीछा किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। अगले दिन, सकपाल ने उन्हें फिर से कलंबोली सर्कल के पास देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और चार लुटेरों—अशरफ असलम खान (22), करण दुर्गेश चव्हाण (22), सुजर दयानंद बिंद (22), और नवनाथ विट्ठल वाघमारे (25)—को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह पर कई अन्य लूटपाट मामलों में शामिल होने का संदेह है।

उल्हास नदी में प्रदूषण का संकट, 5000 लोगों की प्यास बनी समस्या

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

कल्याण-मुरबाड राष्ट्रीय महामार्ग के समीप स्थित रायता, वरप, कांबा, म्हारल गांवों से होकर बहने वाली उल्हास नदी, जो कभी 50 लाख लोगों के लिए जीवनदायिनी थी, अब प्रदूषण से जूझ रही है। केमिकल, रसायन और घरेलू गंदे पानी के बहने के कारण यह नदी अब अपने मूल रूप में नहीं रह गई है। नदी में जलकुंभी का जाल फैलने से मछलियां और अन्य जलीय जीव मर रहे हैं, और इसके साथ ही नदी में दुर्गंध फैल रही है। इन गंदे पानी को वाडा, पाडा समेत कई गांवों में बिना फिल्टर किए जलापूर्ति के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सरकार की हर घर शुद्ध जल योजना पर सवाल उठने लगे हैं। पिछले 25 वर्षों से प्रशासन उल्हास नदी के पानी को बिना किसी फिल्टर या ट्रीटमेंट के 5,000 से ज्यादा नागरिकों को दैनिक उपयोग के लिए दे रहा है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचारोग, पानी से होने वाली बीमारियां और अन्य शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

ग्रामस्थों की गंभीर मांग

ग्रामस्थ और उल्हास नदी बचाओ कृति समिति के कार्यकर्ता निकेश पावशे ने प्रशासन से तत्काल शुद्ध जल की व्यवस्था करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं की जाती, तो ग्रामीणों को मजबूरन आंदोलन करना पड़ेगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के एस सी/एस टी/ओ बी सी एसोसिएशन की ओर से 134 वीं डॉ.बी.आर. अम्बेडकर जयंती समारोह आयोजित किया गया।

ठाणे में भव्य संविधान गौरव यात्रा का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे शहर में भारतीय जनता पार्टी की ओर से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती और भारतीय संविधान के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य संविधान गौरव यात्रा का आयोजन किया गया। इस रैली की शुरुआत भाजपा विधायक संजय केलकर के मार्गदर्शन में खोपट कार्यालय से हुई, जहां बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

रैली में भाजपा नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल

इस अवसर पर विधायक निरंजन डावखरे, भाजपा ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, बौद्ध धार्मिक नेता भिक्षु, पूर्व नगरसेवक संदीप लेले, नारायण पवार, भरत चव्हाण, मृणाल पेंडसे, सुरेश कांबले, युवा मोर्चा अध्यक्ष सूरज दलवी, सचिन पाटिल, राजेश गाडे, विशाल वाघ, कृपाल कांबले, प्रदीप जाधव और बड़ी संख्या में भीम सैनिक और कार्यकर्ता शामिल हुए।

रैली का मार्ग और आयोजन स्थल

रैली की शुरुआत खोपट कार्यालय से बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई, और फिर यह रैली अंबेडकर रोड, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा, कोर्ट नाका स्थित संविधान चौक, अशोक स्तंभ पर स्थित संविधान की प्रतिमा के पास और बाजार होते हुए स्टेशन तक पहुंची। इस दौरान डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड पर नागरिकों ने रैली का गर्मजोशी से स्वागत किया।

रैली में संबोधित करते हुए विधायक केलकर ने दी पुष्पांजलि

रैली को संबोधित करते हुए संजय केलकर ने कहा कि ठाणे शहर डॉ. बाबासाहेब के चरणों के स्पर्श से पवित्र हुआ शहर है और बाबा साहब की वजह से ही हमें संविधान और न्याय प्राप्त हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि बाबासाहेब ने हमें अपने कर्तव्य का सम्मान और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प दिलाया।

शिवसेना यूबीटी नेता पर रंगदारी वसूली का आरोप

कोपरखैरणे पुलिस ने दर्ज किया मामला

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के कोपरखैरणे में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के तुर्भे उपविभाग प्रमुख किशोर लोंढ़े के खिलाफ रंगदारी वसूलने का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के मुताबिक, किशोर लोंढ़े ने एक मिठाई दुकान के मालिक से नकद राशि और हर माह वसूली की मांग की थी।

दो लाख में हुआ समझौता, फिर भी बना रहे थे दबाव

बातचीत के बाद दोनों पक्षों में दो लाख रुपए नकद और 15 हजार रुपए प्रति माह देने पर सहमति बनी थी। दुकान मालिक ने किशोर लोंढ़े को कुछ रकम दे दी थी, लेकिन बाकी रकम को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इससे परेशान होकर उन्होंने कोपरखैरणे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।कोपरखैरणे पुलिस ने किशोर लोंढ़े के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में और भी खुलासे हो सकते हैं।

तीन लाख रुपए और मासिक 15 हजार की थी मांग

पुलिस के अनुसार, मनमोहन मिठाईवाला की नवी मुंबई के कोपरखैरणे, घनसोली, वाशी और सानपाड़ा में कई दुकानें हैं। किशोर लोंढ़े इन दुकानों पर अतिक्रमण की शिकायत करने की धमकी देकर दुकान मालिक से तीन लाख रुपए नकद और 15 हजार रुपए मासिक देने की मांग कर रहे थे।

बलात्कार-हत्याकांड का आरोपी था अवसादग्रस्त

कोठरी में मिली डायरी के आधार पर पुलिस का दावा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले के तलोजा जेल की कोठरी में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार और हत्या के आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने आरोपी की एक डायरी भी बरामद की है। जिसमें उसने कथित तौर पर उल्लेख किया है कि वह इस कृत्य के बाद से शर्मिंदा महसूस कर रहा था। ऐसे में उसने अपनी जान दे दी, इसके के लिए किसी जिम्मेदार न माना जाएगा। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी है।

केस डायरी

अधिकारी ने कहा कि गवली ने डायरी में यह भी उल्लेख किया है कि वह अपने कृत्य (आत्महत्या) के लिए किसी को दोषी नहीं ठहरा रहा है। पीड़िता के माता-पिता ने पहले गवली के लिए मौत की सजा की मांग की थी। 12 वर्षीय लड़की 24 दिसंबर को कोलसेवाड़ी इलाके से लापता हो गई थी और बाद में उसका शव ठाणे ग्रामीण पुलिस क्षेत्राधिकार के पडघा के बापगांव गांव में मिला था। कोलसेवाड़ी पुलिस ने बाद में गवली और उसकी पत्नी साक्षी को फिरौती के लिए अपहरण, बलात्कार, हत्या, सबूतों को गायब करने और भारतीय न्याय संहिता व यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम के तहत अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने इस साल फरवरी में दंपति के खिलाफ 948 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था। पुलिस के अनुसार, विशाल गवली ने लड़की के साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी, जबकि साक्षी ने उसे बापगांव में शव को फेंकने में मदद की।

कोठरी में मिली थी डायरी

अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि विशाल गवली (35) पर पिछले साल दिसंबर में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण शहर में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और हत्या का आरोप था। पुलिस ने पहले कहा था कि वह रविवार तड़के पड़ोसी नवी मुंबई में तलोजा सेंट्रल जेल के शौचालय में लटका हुआ पाया गया था। खारघर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि अधिकारियों को गवली की कोठरी में एक डायरी मिली है, जिसमें उसने कथित तौर पर लिखा था कि वह उदास था क्योंकि उसकी पत्नी (मामले में सह-आरोपी) उससे बच रही थी व उस पर विश्वास नहीं कर रही थी।

परिजनों को उसकी मौत में गड़बड़ी का संदेह

रविवार को गवली की मौत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पड़ोसी मुंबई के सरकारी जे जे अस्पताल भेज दिया गया। सूत्रों ने बताया कि रविवार देर रात कड़ी सुरक्षा के बीच और उसके परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में विट्ठल वाडी के एक श्मशान घाट में उसका अंतिम संस्कार किया गया। गवली के वकील संजय ढाकणे ने रविवार को कहा कि उन्हें और मृतक के परिजनों को उसकी मौत में गड़बड़ी का संदेह है।

मौसम का मिजाज बदला

महाराष्ट्र में अगले 48 घंटे होंगे बेहद खतरनाक

आईएमडी ने जारी किया भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने देशभर में आगामी पांच दिनों के लिए भारी बारिश और तेज आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। विशेष रूप से महाराष्ट्र में अगले 48 घंटे बेहद खतरनाक हो सकते हैं। आईएमडी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि अत्यावश्यक स्थिति में ही घर से बाहर निकलें।

किसानों की मुश्किलें बढ़ीं, बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद

मौसम की बेरूखी ने किसानों की कमर तोड़ दी है। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की वजह से खेतों में तैयार खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं, जबकि फलों के बागानों को भी भारी नुकसान हुआ है। किसानों के लिए यह समय बेहद कठिनाईपूर्ण है क्योंकि उनकी मेहनत का फल अब हाथ से जा चुका है।

तेज हवाओं और बिजली के साथ बारिश की चेतावनी

आईएमडी के मुताबिक, अगले पांच दिनों में पूर्वी भारत और महाराष्ट्र के कई जिलों में तेज बारिश, गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। इस दौरान हवाओं की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जो स्थिति को और गंभीर बना सकती है।

इन राज्यों में भी भारी बारिश का अलर्ट

आईएमडी ने 15 और 16 अप्रैल के लिए ओडिशा, असम, मेघालय और नागालैंड में भी भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल में ओलावृष्टि के साथ बारिश का अनुमान है। वहीं, बिहार और झारखंड के कई हिस्सों में हवाओं की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

कम दबाव का क्षेत्र बना मुख्य कारण

देशभर में हो रही इस मौसमीय उथल-पुथल के पीछे कम दबाव का क्षेत्र जिम्मेदार है, जिसके चलते महाराष्ट्र समेत कई हिस्सों में अगले पांच दिन तक भारी बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है।

शिवसेना यूबीटी में बढ़ी तल्खी

चंद्रकांत खैरे ने अंबादास दानवे पर लगाया हराने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान राजनीतिक बदलावों के बीच शिवसेना यूबीटी में विवाद बढ़ता जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे ने सोमवार को अपने ही सहयोगी अंबादास दानवे पर निशाना साधा और उन्हें महाराष्ट्र की औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) लोकसभा सीट से उनकी हार का जिम्मेदार ठहराया।

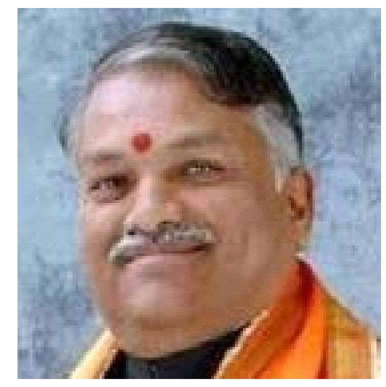

दानवे पर समझौते का आरोप

चंद्रकांत खैरे ने आरोप लगाया कि पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं का मानना है कि दानवे ने "समझौते" किए थे, जो उनकी हार के कारण बने। खैरे ने कहा कि उन्होंने इस मामले को शिवसेना यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के पास उठाया है और उनसे इस पर एक निर्णय लेने की अपील की है।

उद्धव ठाकरे से की शिकायत

खैरे ने कहा, "वह (दानवे) लोकसभा चुनाव में मेरी हार के लिए जिम्मेदार हैं। शिवसैनिकों को लगता है कि वह समझौता करते हैं। मैंने उद्धव (ठाकरे) जी से दो बार शिकायत की है और अब उन्हें इस पर निर्णय लेना होगा।"

खैरे की मेहनत और हार का गम

चंद्रकांत खैरे, जो छत्रपति संभाजीनगर से लोकसभा में चार बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, ने कहा कि उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में शिवसेना को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की थी, और इस दौरान जेल भी गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2024 लोकसभा चुनाव के लिए टिकटों का वितरण उनके बिना विचार किए हुआ था और इसके परिणामस्वरूप पार्टी के उम्मीदवार विधानसभा चुनाव में हार गए।

दानवे ने खैरे के आरोपों पर दी प्रतिक्रिया

इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अंबादास दानवे ने कहा कि चंद्रकांत खैरे एक वरिष्ठ नेता हैं और वह इस मामले में कोई भी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं।
छत्रपति संभाजीनगर में शिवसेना यूबीटी के दो वरिष्ठ नेताओं के बीच विवाद विपक्षी पार्टी के लिए चिंता का कारण हो सकता है। यह जिला कभी शिवसेना का गढ़ हुआ करता था, लेकिन हालिया चुनावों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है।

चैत्यभूमि पर उमड़ा भीमसागर

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती पर अनुयायियों ने किया विनम्र अभिवादन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सोमवार को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर मुंबई के चैत्यभूमि में अनुयायियों का सैलाब उमड़ पड़ा। यहां भक्तों ने बाबासाहेब की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और भीम गीतों के साथ वातावरण को उल्लासित किया। राज्यभर से लोग सुबह से ही बाबा साहब के दर्शन के लिए घंटों लाइन में खड़े थे।

चैत्यभूमि को सजाया गया, पुस्तकें खरीदी गईं

चैत्यभूमि क्षेत्र को अशोक स्तंभ की पुष्प सजावट और आकर्षक विद्युत प्रकाश व्यवस्था से सजाया गया। भक्तों ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को पुन: जानने के लिए बड़ी संख्या में पुस्तकें भी खरीदीं। रविवार से ही लोग दादर पहुंचने लगे थे, और सोमवार को जल्दी दर्शन कर घरों को लौटने की कोशिश की।

सुविधाएं प्रदान करने के लिए नगर निगम प्रशासन सक्रिय

मुंबई के बाहर से आने वाले अनुयायियों के लिए नगर निगम प्रशासन ने चैत्यभूमि और शिवाजी पार्क क्षेत्रों में विशेष सुविधाएं प्रदान कीं। स्वयंसेवी संगठनों ने भी नगर निगम के साथ मिलकर सेवाएं दीं। नगर निगम द्वारा डॉ. अंबेडकर की जीवनी पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें उनकी प्रेरणादायक जीवन यात्रा से संबंधित दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

सुरक्षा और व्यवस्थाओं का ध्यान

हजारों की भीड़ के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र में कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई थी। साथ ही, अनुयायियों की असुविधा से बचने के लिए नियंत्रण कक्ष, पेयजल फव्वारे, विश्रामगृह, शौचालय और सीसीटीवी जैसी व्यवस्थाएं की गईं। चिकित्सा सेवा और अग्निशमन कर्मी भी मौके पर तैनात थे।

राजगृह पर भी बाबासाहेब के अनुयायियों का जमावड़ा

चैत्यभूमि के साथ-साथ डॉ. अंबेडकर के निवास स्थान राजगृह पर भी भीम अनुयायियों की भारी भीड़ जमा हो गई थी, जहां अभिवादन करने के लिए लोग पहुंचे।

मुंबई हवाई अड्डे पर 7.85 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त

युगांडा के यात्री को किया गया गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने एक युगांडा के यात्री से करीब 7.85 करोड़ रुपये मूल्य की 785 ग्राम कोकीन जब्त की।
सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह यात्री सफर के दौरान प्रतिबंधित कोकीन को अपने पेट में छिपाकर लाया था। अधिकारियों ने बताया कि यात्री को 9 अप्रैल की रात संदेह के आधार पर रोका गया था। पूछताछ के दौरान, आरोपी बेचैन और चिंतित नजर आ रहा था, जिसके बाद उसने यह स्वीकार किया कि उसने बड़ी संख्या में पीली गोलियां निगल ली थीं।

मेडिकल जांच में सामने आई कोकीन की मौजूदगी

अधिकारी ने बताया, ृमेडिकल जांच में पता चला कि यात्री के पेट में 785 ग्राम गोलियों का वजन था।ृ इन गोलियों में सफेद पाउडर जैसा पदार्थ था, जिसे कोकीन होने का संदेह था।
अधिकारी ने बताया कि रविवार को मेडिकल जांच के बाद कुल 7.85 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवा बरामद की गई। युगांडा के नागरिक को स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले की आगे की जांच जारी है।

सलमान खान को फिर जान से मारने की धमकी

मुंबई पुलिस ने दर्ज किया मामला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई यातायात पुलिस को फिल्म अभिनेता सलमान खान को लेकर धमकी भरा एक संदेश प्राप्त हुआ है, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को यातायात पुलिस की व्हाट्सऐप हेल्पलाइन पर एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें प्रेषक ने सलमान खान की कार को बम से उड़ाने और उनके घर में घुसकर उनकी पिटाई करने की धमकी दी।

मामला दर्ज, जांच जारी

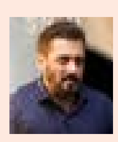

यह संदेश यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष में तैनात एक अधिकारी ने अपने वरिष्ठों को सूचित किया। इसके आधार पर वर्ली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 351(2)(3) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हाल ही में, सलमान खान को कई धमकी भरे संदेश मिले हैं, जिसमें 59 वर्षीय अभिनेता को निशाना बनाया गया था। इससे पहले उन्हें लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। बिश्नोई गिरोह के सदस्य पिछले साल अप्रैल में सलमान के बांद्रा स्थित घर के बाहर गोलीबारी कर चुके हैं।

इंदु मिल स्मारक को लेकर चंद्रकांत भंडारे की सरकार से सात अहम मांगें

दीपक पवार । मुंबई

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के अंतरराष्ट्रीय स्मारक को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रकांत भीवा भंडारे ने केंद्र और राज्य सरकार को सात महत्वपूर्ण मांगों वाला विस्तृत प्रतिवेदन सौंपा है। इंदु मिल परिसर में बन रहे इस स्मारक को लेकर भंडारे ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत तमाम जिम्मेदार अधिकारियों, मंत्रियों और सांसदों को पत्र भेजते हुए स्मारक की अनदेखी के कुछ बिंदुओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

भविष्य की कार्ययोजना पर भी मांगी स्पष्टता

भंडारे ने अपने पत्र में आग्रह किया है कि इन मांगों का मूल्यांकन मंत्री स्तरीय समिति द्वारा किया जाए और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के साथ इन पर शीघ्र अमल हो। साथ ही, स्मारक निर्माण के बाद उसके प्रबंधन और दैनिक संचालन के लिए एक स्पष्ट योजना बनाई जाए।

मुख्य 7 मांगें

- सरकारी निगरानी में स्मारक का संचालन
- 465 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज
- संविधान की प्रस्तावना का भव्य प्रदर्शन
- राष्ट्रीय प्रतीक शाही मुहर की स्थापना
- भीम ज्योत की स्थापना
भारत रत्न की प्रदर्शनी
- माता रमाई और सविता माई के तैलचित्र

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बीएमसी और परिवहन विभाग को लगाई फटकार

जब्त वाहनों के प्रबंधन के लिए नीति तैयार करने का आदेश

मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय ने हाल ही में मुंबई नगर निगम और परिवहन विभाग को जब्त किए गए वाहनों के अनियंत्रित प्रबंधन के लिए सुसंगत नीति तैयार करने में विफल रहने पर फटकार लगाई। न्यायालय ने कहा कि मुंबई की यातायात जाम की समस्या और भी बढ़ गई है, क्योंकि ये जब्त वाहन सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों और पुलिस स्टेशन परिसरों में अनियंत्रित रूप से छोड़ दिए जाते हैं, जिससे पैदल चलने वालों को भी असुविधा होती है। न्यायालय ने राज्य सरकार को 29 अप्रैल तक नीति पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का आदेश दिया।
यह मुद्दा एक जनहित याचिका के माध्यम से अदालत में उठाया गया था। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि जब्त वाहनों को वर्षों से सार्वजनिक सड़कों और खुले निजी भूखंडों में छोड़ दिया गया है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने नगर निगम और परिवहन विभाग की निष्क्रियता की आलोचना की और उन पर कार्रवाई करने का दबाव डाला। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जब्त वाहनों को सार्वजनिक स्थानों पर अनियंत्रित रूप से पार्क नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि जब्त वाहनों के इस तरह से पार्क होने से न केवल नागरिकों को असुविधा हो रही है, बल्कि यह सुरक्षा संबंधी गंभीर मुद्दे भी पैदा कर रहा है।

अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

मुंबई। खार पुलिस ने राजस्थान के जोधपुर से एक अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का मुख्य कार्य इको कारों की चोरी करना और उनके इंजन और चेसिस नंबर का उपयोग करके कबाड़खानों में वाहन तैयार करना था। आरोपियों की पहचान भवरदास वैष्णव (54) और जितेंद्र तीर्थदास साधनानी उर्फ जीतू (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने इस अभियान के दौरान दो चोरी के वाहन भी जब्त किए हैं।
भवरदास पर पहले ही विभिन्न पुलिस थानों में 20 से अधिक वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं, जिसमें खार, माहिम, बांद्रा, जुहू, ताड़देव, और जोगेश्वरी जैसे इलाके शामिल हैं। उनके साथी जितेंद्र के खिलाफ भी बांद्रा, माहिम और भयंदर में मामले दर्ज हैं। पुलिस की जांच के अनुसार, आरोपियों ने 30 से अधिक इको कारें चुराई और उन्हें बेच दिया था। खार इलाके से 23 और 27 मार्च को दो कारें चोरी की गईं। जांच में यह सामने आया कि दोनों मामलों में चोरी का तरीका एक जैसा था और आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए थे। पुलिस टीम ने जोधपुर में जांच करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की।

बेचता था चोरी की कारें

आरोपियों ने कबाड़ हो चुकी कारों के इंजन और चेसिस नंबर से छेड़छाड़ की और चोरी की कारों को नए पहचान पत्रों के साथ बेच दिया। पुलिस ने बताया कि इन कारों का पंजीकरण रद्द किए बिना ही उन्हें स्क्रैप किया जाता था, जिससे यह चोरों के लिए आसान हो जाता था। पुलिस को यह जानकारी मिली है कि कई शहर के एजेंट इस गिरोह को कबाड़ वाहनों के बारे में जानकारी दे रहे थे, जो चोरी की कारों के साथ मिलकर इनका नया पहचान पत्र बना देते थे। पुलिस ने अब ऐसे कबाड़ वाहनों के पंजीकरण रद्द करने की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि इस तरह के अपराधों को रोका जा सके।

'मुंबई महाराष्ट्र की है, यह संदेश दिया था बाबासाहेब आंबेडकर ने दिया था'

सीएम फडणवीस ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने यह स्पष्ट संदेश दिया था कि मुंबई महाराष्ट्र की है। उनका मानना था कि मुंबई और महाराष्ट्र का संबंध अटूट और गहराई से जुड़ा हुआ है। फडणवीस ने यह भी बताया कि भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के दौरान, मुंबई सहित संयुक्त महाराष्ट्र का निर्माण डॉ. आंबेडकर के विचारों से ही संभव हुआ।

भारतीय संविधान पर कही सीएम ने अपनी बात

वडाला पूर्व स्थित कोरबा मिठागर क्षेत्र में डॉ. आंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा का अनावरण करते हुए फडणवीस ने कहा कि बाबासाहेब द्वारा दिया गया संविधान दुनिया का सबसे बेहतरीन संविधान है। उनका मानना था कि इस संविधान के आधार पर भारत की शासन प्रणाली काम करती है, और यह संविधान भारत को महाशक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बाबासाहेब के कार्य और योगदान को उजागर करने के लिए उनकी सरकार इंदू मिल में एक भव्य स्मारक का निर्माण कर रही है।

बाबासाहेब का जीवन और संघर्ष

मुख्यमंत्री ने बाबासाहेब के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुंबई ने उनके जीवन के कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। डॉ. आंबेडकर के पुस्तक प्रकाशन और छपाई का कार्य भी मुंबई में हुआ था। उन्होंने शोषितों के लिए आजीवन संघर्ष किया और उनका राजनीतिक जीवन भी यहीं से प्रारंभ हुआ। फडणवीस ने यह भी कहा कि जब डॉ. आंबेडकर ने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की, तब उनका पहला सम्मान मुंबई में हुआ था। उन्होंने यह भी याद किया कि केंद्रीय मंत्री, प्रांतीय अध्यक्ष और गोलमेज सम्मेलन से लौटने के बाद और संविधान निर्माण के बाद भी उनका स्वागत मुंबई में ही हुआ था।

संपादकीय

आगरा में उड़ीं संविधान की धज्जियां

शनिवार को उत्तर प्रदेश के आगरा के गढ़ीरामी गांव में राणा सांगा की जयंती के अवसर पर जिस तरह से क्षत्रिय करणी सेना ने 'रक्त स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन किया वह शक्ति प्रदर्शन तो था ही, उससे बढ़कर वह संविधान की धज्जियां उड़ाने वाला कार्यक्रम साबित हुआ। क्षत्रिय समुदाय के देश भर से लोग यहां एकत्र हुए थे। इसमें एक ओर तो सीधे-सीधे हथियारों का जंगी प्रदर्शन किया गया, वहीं दूसरी तरफ़ मारने-काटने की सरेआम बातें हुईं। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ वक्ताओं ने गुस्सा तो उतारा ही, उन्हें मार डालने की खुली धमकियां दी गयीं जबकि वहां पुलिस की बड़े पैमाने पर तैनाती थी। किसी अनहोनी की आशंका में प्रशासन ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की थी। याद हो कि पिछले दिनों सुमन ने संसद मे एक बयान में राणा सांगा को यह कहकर 'गद्दार' करार दिया था कि बाबर को भारत में वे ही बुलाकर लाये थे। इसे लेकर क्षत्रियों में गहरी नाराज़गी है। करणी सेना के कुछ लोगों ने तो सुमन की जुबान काट लेने वाले के लिये पुरस्कार तक घोषित किया था। यदि उनके खिलाफ कार्रवाई की गयी होती तो यह नौबत न आती। सम्मेलन में देश भर से पहुंचे क्षत्रिय समुदाय के लोग तलवारें लहराते दिखे और मंच पर से उन्होंने बहुत आक्रामक भाषण दिये। इन भाषणों में आए लोगों ने रामजी लाल सुमन के खिलाफ नाराजगी जताई। एक व्यक्ति ने मंच से खुले आम कहाः 'जो राणा सांगा के खिलाफ बात करेगा, उसे 'अपने हिसाब से दंड' दिया जाएगा।' संयुक्त करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने धमकी दी कि रामजी लाल सुमन की उनके घर में घुसकर हड्डी तोड़ी जायेगी। उन्होंने साफ कहा कि, 'कभी तो उनकी सुरक्षा में चूक होगी, तब उनकी कुटाई होगी। संविधान का डर नहीं, कुटाई से डराया जा सकता है।' चम्बल की बैंडिट क्वीन फूलन देवी की हत्या में दोषी पाये गये शेर सिंह राणा भी कार्यक्रम में आए थे। उन्होंने मांग की कि सुमन पर एनएसए की धाराएं लगाई जायें। उन्होंने सांसद की सदस्यता रद्द कर उन्हें जेल भेजने की भी मांग की। पूर्व राजपूत करणी सेना अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, जिनकी पिछले दिनों उनके घर में घुसकर हत्या कर दी गयी थी, की पत्नी शीला भी मंच पर थीं। उन्होंने कहा- 'हमें गर्व है कि हम राणा सांगा के वंशज हैं। कोई गद्दार हमारे भगवान पर सवाल उठाता है, तो उसे देश में रहने का अधिकार नहीं है।' करणी सेना के क्षेत्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने तो और एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि अब माफी से भी काम नहीं चलने वाला। करणी सेना के कार्यकर्ता कुछ भी कर सकते हैं। वैसे भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजकों से ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया कि करणी सेना की मांगों को वे सरकार तक पहुंचायेंगे। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात करणी सेना के लोगों हाईवे को अवरूद्ध कर दिया था। वे सुमन के निवास की ओर जाना चाहते थे। उनके इस प्रयास को पुलिस ने विफल कर दिया। कई जगह करणी सेना के लोगों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की के नज़ारे देखने को मिले।हजारों की संख्या में हथियारों से लैस राजपूतों के इस सम्मेलन ने बता दिया कि देश की कानून-व्यवस्था किस खतरनाक स्थिति में पहुंच गयी है और सत्ता से नज़दीकियां किसी भी एक समूह को किस हद तक उच्छृंखल बना देती है। सभा स्थल को देखने से साफ था कि आयोजकों एवं उसमें शामिल लोगों के लिये न तो कानून के प्रति कोई सम्मान रह गया है, न ही प्रशासन का डर। यह (दु)साहस तभी सम्भव है जब किसी को सत्ता की शह और संरक्षण दोनों ही हो। करणी सेना का इतिहास देखें तो वह अक्सर इसी तरह से कानून को ललकारती या उसे हाथ में लेती है। ऐसी कोई उम्मीद नहीं की जानी चाहिये कि प्रशासन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

अन्तस की प्रतिध्वनि ही भविष्य है

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री

मनुष्य अपने परिवेश के अधीन होता है। देश, काल और परिस्थितियां उसे गहनता से प्रभावित करती हैं। उसका रहन सहन, लालन पालन, शिक्षा, मित्रमंडली और जीवन में मिले खट्टे मीठे अनुभव, उसे उसके जीवन के मार्ग पर चलाते हैं। किसी का भी जीवन निष्कंटक नहीं होता है। उसके सीखने की प्रक्रिया क्या रूप लेती है, उस पर निर्भर करता है कि व्यक्ति का व्यक्तित्व कैसा होगा और उसका भविष्य कैसा होगा। ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार मनुष्य के जन्म से पूर्व ही उसका भविष्य लिखा जा चुका होता है। उचित भी है। यही कारण है कि अनेक बार किसी अत्यंत निर्धन परिवार में उत्पन्न होकर भी कोई मनुष्य उच्च प्रशासनिक अधिकारी हो जाता है, राष्ट्र प्रमुख हो जाता है, प्रसिद्ध उद्योगपति हो जाता है, सुप्रसिद्ध संत हो जाता है या अद्वितीय कार्य करने वाला विश्व प्रसिद्ध व्यक्तित्व हो जाता है...इसके विपरीत अनेक बार किसी तपस्वी और शुभकर्म करते हुए सुप्रसिद्ध व्यक्ति के घर उत्पन्न होकर भी कोई व्यक्ति दुरात्मा सिद्ध होता है, किसी बड़े धनिक का पुत्र होकर भी व्यवसाय को नष्ट कर देता है, किसी बड़े नेता के घर जन्म लेकर भी सारी प्रतिष्ठा को धूमिल कर देता है और जन्म जन्मांतरों में अर्जित कुल की परंपराओं, नीतियों, संपत्तियों और स्वाभिमान को धूलधूसरित कर देता है। इन सबके पीछे देश, काल और परिस्थिति का सिद्धांत कार्य करता है। कर्म का सिद्धांत कार्य करता है। अदृश्य रूप से वह प्रेरक होता है और मनुष्य उसी के अनुरूप कार्य करता है, जिसके फलस्वरूप गति, सुगति या दुर्गति प्राप्त होती है! कुपुत्र संपूर्ण कुल के संताप का कारण बनता है और सुपुत्र कुलकीर्ति को स्वर्णाक्षरों में लिखा देता है। भगवान् श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि :

कर्मणो ह्यापि बोधव्यं बोधव्यं च विकर्मणः।
अकर्मणाश्च बोधव्यं गहनो कर्मणो गतिः।।४/१७।।

अर्थात् स्वार्थ के लिये किया गया कार्य कर्म है और निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म अकर्म है, लेकिन जिस कार्य को नहीं करना चाहिए, जो निषिद्ध हो, उसे करना विकर्म कहलाता है। इसलिए मनुष्य को कर्म, अकर्म और विकर्म का ध्यान रखकर कार्य करना चाहिए। क्योंकि कर्म की गति गहन होती है। जैसे बछड़ा सहस्रों गायों के बीच अपनी माता को खोज लेता है, वैसे ही कर्मफल अपने कर्ता को ढूंढ लेता है। तो क्या मनुष्य कर्म ही न करे...! नहीं, बिना कर्म के तो कुछ होगा ही नहीं। क्योंकि शास्त्र पुनः कहता है कि :

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

अर्थात् कर्मशील होने से ही कार्य सिद्ध होते है, केवल कल्पना करने से कुछ नहीं होता। क्योंकि सोए हुए सिंह से मृग आकर नहीं कहता है कि मुझे भोजन बना लो...उसके लिए सिंह को परिश्रम करना होता है।

कहने का तात्पर्य है कि किसी भी स्थिति में कर्मशील मनुष्य अपने लक्ष्य को पा ही लेता है। प्रारब्ध, भाग्य और कर्म मिलकर उसके लक्ष्य की पूर्ति करते हैं। इसलिए कर्म करना ही महत्वपूर्ण है। हम सभी अपने कर्मबंधन से बंधे हैं। वही जन्म का कारण होता है, वही जीवन का और वही मृत्यु का। वास्तव में कोई भी अपना भविष्य नहीं चुनता। वह अपना व्यसन चुनता है। अभ्यास चुनता है। किसी कार्य को बार-बार करने की प्रवृत्ति किसी व्यक्ति के व्यवहार का भाग बन जाती हैं। यह एक निरंतर घटित होते रहने वाली प्रक्रिया है। जो देश, काल और परिस्थिति में सीखी जाती रहती है। यह सीख ही स्वभाव बन जाती है और स्वभाव ही व्यवहार में बदल जाता है। इस प्रकार आपकी प्रवृत्ति, आपका व्यसन, आपका अभ्यास, आपकी सीख, आपका स्वभाव चुनती हैं और स्वभाव आपका व्यवहार चुनता है और व्यवहार आपका भविष्य चुनता है। वे अच्छी हों या बुरी...प्रवृत्तियां आपको बार बार किसी विशेष स्थिति में ले जाती हैं और आपके कर्म की साक्षी बनती हैं। ध्यान रखना! बुरी प्रवृत्तियां अधिक सक्रिय होती हैं और वे अच्छे व्यवहार से नष्ट हो सकती हैं। लेकिन अच्छी प्रवृतियां यदि उदासीन हो जाएं तो बुरी प्रवृत्तियां पुनः प्रबल हो जाती हैं... और ये आपके जीवन को नरक बना सकती हैं...क्योंकि अवचेतन इस पर सतत क्रियाशील होता है। आपके सो जाने के बाद भी वह जागता है और आपकी प्रवृति को, स्वभाव को, व्यवहार को संस्कार में बदल देता है। यह इतना अदृश्य ढंग से होता है कि आपको पता ही नहीं चलता कि आप अपने लिए कैसा भविष्य चुन रहे हैं। आपकी धारणा, मेधा और शक्ति, तीनों आपकी प्रवृति से स्वभाव में बदलकर व्यवहार में ले जाती हैं और आपका जीवन उससे सदा प्रभावित होता है...यदि गहन संकल्प का अभाव हुआ तो आपका अवचेतन ही आपको जीते जी नरकगामी बना सकता है। इसलिए अपनी प्रवृति पर अंकुश रखने की योग्यता विकसित करो और आत्मानुशासन करना सीखो...वही आपका भविष्य निर्माण करता है और जन्म जन्मांतर का प्रारब्ध भी उसी के अधीन है। इसलिए बुरी प्रवृत्ति विकसित न हो, उसके लिए सतत प्रयासरत रहें। बुरी संगति से बचें, बुरे साहित्य से बचें, बुरे व्यवहार से बचें, बुरे विचार से बचें...इन सबसे बचना अति दुष्कर कार्य है। जब तक आपके पास श्रेष्ठ संगति का अभाव होगा, बुरी संगति से बचना कठिन होगा। जब तक श्रेष्ठ सुप्रेरक साहित्य नहीं मिलेगा, बुरा साहित्य अपनी पकड़ बनाए रखेगा। जब तक अच्छे व्यवहार के लिए पूर्ण संकल्पित नहीं होंगे, बुरा व्यवहार आचरण में प्रवेश करता रहेगा। ...और बुरा विचार केवल श्रेष्ठ विचार से ही नष्ट किया जा सकता है। इसलिए अपना आहार, व्यवहार, प्रवृत्ति और स्वभाव शुद्ध रखने के लिए संस्कारों को जागृत करने वाले साहित्य, मित्र, गुरु और संत का आश्रय लें....आपका अवचेतन तदनुसार ही आपको मार्गदर्शन करने लगेगा। आपके अन्तस की प्रतिध्वनि ही आपको राह दिखाने लगेगी।

(लेखक श्री पीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ के अधिष्ठाता हैं।)

जीवन मंत्र

सही वक़्त कभी नहीं आता, बनाना पड़ता है

हमेशा याद रखें, हर बड़ा सफ़लता उसी दिन शुरू होती है, जिस दिन आप अपने डर को दूर करके शुरुआत करते हैं। "सही वक़्त" तब आता है, जब आप जीवन में निर्णायक कदम उठाते हैं, जो पहले कभी नहीं उठाए थे। और यही वो समय होता है जो आपकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से बनता है।

सही वक्त कभी किसी बाहरी कारण या परिस्थिति पर निर्भर नहीं करता, बल्कि यह हमारी खुद की मानसिकता और पहल पर निर्भर करता है। अगर हमें लगता है कि बदलाव या सफलता का वक़्त कभी नहीं आएगा, तो हम पूरी जिंदगी इस इंतज़ार में खो देंगे, जबकि असल में हम उस वक़्त को खुद ही बना सकते हैं। जब हम जीवन में किसी महत्वपूर्ण निर्णय या दिशा में कदम बढ़ाने का विचार करते हैं, तो एक आम मानसिकता होती है कि अभी कुछ और चीज़ें ठीक नहीं हैं। लेकिन यह वास्तविकता है कि जब तक हम किसी काम को करने का साहस नहीं जुटाते, तब तक उस बदलाव का कोई वक़्त नहीं आएगा। बहुत से लोग सोचते हैं कि अगर वे सिर्फ थोड़ा और वक्त इंतज़ार करें, तो सब कुछ उनके मुताबिक़ हो जाएगा। लेकिन अक्सर हम यह भूल जाते हैं कि समय खुद को किसी के लिए नहीं रोकता। सही वक़्त बनाने के लिए पहले हमें खुद को तैयार करना होता है, अपनी

सोच को बदलना होता है और अपने भीतर वह विश्वास और प्रेरणा जगानी होती है, जो हमें किसी भी हालात में लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करे। इसका मतलब यह है कि सही वक़्त वो नहीं है जो हमें किसी बाहरी घटक से मिलेगा, बल्कि वह समय उस दिन बनता है, जब हम अपने डर और संकोच को छोड़कर पहला कदम उठाते हैं। उदाहरण के तौर पर, यदि आप एक नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं और सोचते हैं कि अब नहीं, जब मुझे अधिक पैसे होंगे तब, या जब मेरे पास अधिक अनुभव होगा तब, तो शायद यह मौका कभी नहीं आएगा। लेकिन अगर आप आज से छोटे कदम उठाना शुरू करते हैं, जैसे रिसर्च करना, योजना बनाना, या छोटे स्तर पर शुरुआत करना तो वही दिन आएगा जब आपको लगेगा कि आप सही वक़्त पर खड़े हैं। समय का कोई भी इंतज़ार न करें, क्योंकि असल में यही आपकी सफलता का सही वक़्त होता है। और यही वो समय होता है जो आपकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से बनता है।

सही वक़्त की तलाश में ना बैठो,कभी भी शुरू कर सकते हो तुम।
वक़्त खुद से तुमसे कहेगा, जब तुम खुद से वक़्त चुराओगे।

शख्सियत — शेर जंग थापा

महावीर चक्र से सम्मानित

शेर जंग थापा का जन्म 15 अप्रैल 1907 को एबटाबाद , पंजाब , ब्रिटिश भारत (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उनके दादा, सूबेदार बालकृष्ण थापा, 5वीं गोरखा राइफल्स (फ्रंटियर फोर्स) 5 जीआर (एफएफ) का हिस्सा थे , जो नेपाल के गोरखा जिले के तपके गांव में अपने पैतृक घर से भारत चले आए थे। शेर जंग के पिता, अर्जुन थापा, ब्रिटिश भारतीय सेना में मानद कैप्टन 2/5 जीआर (एफएफ) और द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी थे।

शेर जंग थापा का जन्म 15 अप्रैल 1907 को एबटाबाद , पंजाब , ब्रिटिश भारत (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उनके दादा,सूबेदार बालकृष्ण थापा, 5वीं गोरखा राइफल्स (फ्रंटियर फोर्स) 5 जीआर (एफएफ) का हिस्सा थे, जो नेपाल के गोरखा जिले के तपके गांव में अपने पैतृक घर से भारत चले आए थे। शेर जंग के पिता, अर्जुन थापा, ब्रिटिश भारतीय सेना में मानद कैप्टन 2/5 जीआर (एफएफ) और द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी थे। कहा जाता है कि 1 गोरखा रेजिमेंट के कैप्टन डगलस ग्रेसी , जो एक हॉकी खिलाड़ी भी थे, थापा से प्रभावित थे। उन्होंने थापा को जम्मू और कश्मीर राज्य बलों में एक कमीशन अधिकारी का पद दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जम्मू और कश्मीर ब्रिटिश भारत में सबसे बड़ी रियासतों में से एक था, जिस पर महाराजा का शासन था। सितंबर 1947 तक इसके राज्य बलों का नेतृत्व आमतौर पर ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा किया जाता था। स्कार्दू किला जिसमें थापा की सेना थी अक्टूबर 1947 में रियासत के भारत में विलय के समय थापा जम्मू और कश्मीर राज्य बल में मेजर के पद पर थे।6वीं इन्फैंट्री बटालियन के हिस्से के रूप में थापा लद्दाख के लेह में तैनात थे। उनके कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अब्दुल मजीद गिलगित एजेंसी की सीमा से लगे अस्तोर वज़रात के बुंजी में तैनात थे, जिसे ब्रिटिश प्रशासन ने रियासत को वापस कर दिया था। 30 अक्टूबर को कर्नल मजीद गवर्नर घनसारा सिंह का समर्थन करने के लिए बलों के साथ गिलगित गए ,जो वहां स्थित ब्रिटिश अधिकारी गिलगित स्काउट्स की वफादारी से आशंकित थे। दुर्भाग्य से ,रेजिमेंट के मुस्लिम अधिकारियों ने कैप्टन मिर्ज़ा हसन खान के नेतृत्व में विद्रोह कर दिया और गिलगित स्काउट्स में शामिल हो गए । मेजर थापा को लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर पदोन्नत किया गया और स्कार्दू में शेष 6वीं इन्फैंट्री का प्रभार संभालने के लिए कहा गया। उन्होंने 23 नवंबर को लेह छोड़ दिया और भारी बर्फबारी के बीच पैदल चलते हुए 2 दिसंबर को स्कार्दू पहुंचे। इससे उन्हें आसन्न हमले से पहले स्कार्दू की रक्षा के लिए तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया। इस बीच, गिलगित में पाकिस्तानी कमांडर ने गिलगित स्काउट्स और 6वीं इन्फैंट्री के विद्रोहियों को 400-400 पुरुषों की तीन सेनाओं में पुनर्गठित किया। थापा ने तीस मील दूर त्सारी दर्रे के पास दो अग्रिम चौकियां तैनात कीं। हवाई आपूर्ति गिराने का प्रयास किया गया। थापा को भारत के दूसरे सबसे बड़े वीरता पुरस्कार महावीर चक्र से सम्मानित किया गया । उन्हें 1957 में भारतीय सेना में कमीशन दिया गया और अंततः वे ब्रिगेडियर बन गए। वे 18 जून 1960 को सेना से सेवानिवृत्त हुए। थापा की मृत्यु 25 फरवरी 1999 को दिल्ली के आर्मी अस्पताल में हुई।

सैन्य अलंकरण

महावीर चक्र (१९४८), जनरल सर्विस मेडल, १९४ जे क्लास, इंडियन इंडिपेंडेंस मेडल, वॉर मेडल, इंडिया सर्विस मेडल, मिलिट्री सर्विस मेडल।

जीवन ऊर्जा

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : जन्म 15 अप्रैल, 1865 — जन्म

मनुष्य अपने कर्मों से बड़ा बनता है, जन्म से नहीं

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'(15 अप्रैल, 1865-16 मार्च, 1947) हिन्दी के कवि, निबन्धकार तथा सम्पादक थे। उन्होंने हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभापति के रूप में कार्य किया। वे सम्मेलन द्वारा विद्यावाचस्पति की उपाधि से सम्मानित किये गए थे। उन्होंने प्रिय प्रवास नामक खड़ी बोली हिंदी का पहला महाकाव्य लिखा जिसे मंगलाप्रसाद पारितोषिक से सम्मानित किया गया था।

मनुष्य जब यह मान लेता है कि उसके जीवन की दिशा और ऊँचाई उसके अपने कर्मों पर निर्भर करती है, तो वह हर परिस्थिति में आगे बढ़ने की कोशिश करता है। फिर वह यह नहीं सोचता कि उसे क्या मिला या वह किस परिवार में जन्मा, बल्कि वह यह सोचता है कि उसने क्या किया और क्या कर सकता है। यह सोच व्यक्ति में आत्मबल, आत्मविश्वास और निरंतर सुधार की भावना भर देती है। यही भावना उसे जीवन के हर संघर्ष में विजय दिला सकती है। हरिऔध जी का यह कथन हमें यह भी सिखाता है कि समाज को न्यायपूर्ण और प्रगतिशील बनाने के लिए हमें जन्म के आधार पर लोगों को आंकना बंद करना होगा। जब हम केवल कर्म को महत्व देंगे,

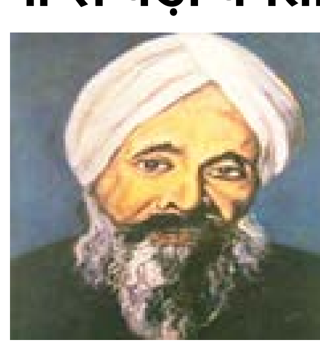

तभी हम उन असंख्य प्रतिभाओं को सामने ला सकेंगे जो अभी भी समाज की रूढ़ियों में दबे हुए हैं। यह संदेश शिक्षा, राजनीति, समाज सेवा और हर उस क्षेत्र में लागू होता है जहाँ व्यक्ति की पहचान उसके कार्यों से होनी चाहिए, न कि उसके वंश या जाति से। अगर किसी व्यक्ति में श्रम करने की लगन है,सीखने की जिज्ञासा है और अपने कर्मों से समाज को बेहतर बनाने का संकल्प है तो वही व्यक्ति वास्तव में महान कहलाता है। मनुष्य अपने कर्मों से ही बड़ा बनता है, जन्म से नहीं यह केवल एक साहित्यिक पंक्ति नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। हमारा जन्म तो हमारे हाथ में नहीं होता, लेकिन हमारे कर्म हमारी सोच, मेहनत, ईमानदारी, और व्यवहार ये सब पूरी तरह हमारे हाथ में होते हैं। यदि हम इन्हीं के बल पर आगे बढ़ते हैं, तो कोई भी सामाजिक बाधा या पूर्वग्रह हमें महान बनने से रोक नहीं सकता। यही हरिऔध जी की विचारधारा का सार है, और यही वह मूल्य है जो हर युग में मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हनुमानजी का जीवन: भगवान राम के आदर्शों का स्तंभ

हनुमानजी का अवतरण दिवस चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इन्द्र द्वारा वज्र से प्रहार करने से उनकी हनु (यानि कीठुड्डी) टेढ़ी हो जाने के कारण ही उन्हें 'हनुमान' कहा जाने लगा। इन्द्र के प्रहार से मूर्छित हनुमान जी को जल छिड़ककर पुनः सचेत कर प्रत्येक देवता ने उन्हें अपने-अपने दिव्य अस्त्र-शस्त्र दिए, जिसके कारण उनका नाम महावीर हुआ। हनुमान जी से ही हमें यह ज्ञान प्राप्त होता है कि बिना किसी अपेक्षा के सेवा करने से व्यक्ति सिर्फ भक्त ही नहीं, भगवान बन सकता है। हनुमान जी का चरित्र रामकथा में इतना प्रखर है कि उसने राम के आदर्शों को गढ़ने में मुख्य कड़ी का काम किया है। रामकथा में हनुमान के चरित्र में हम जीवन के सूत्र हासिल कर सकते हैं। वीरता, साहस, सेवाभाव, स्वामीभक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता, नेतृत्व और निर्णय क्षमता जैसे हनुमान के गुणों को अपने भीतर उतारकर हम सफलता के मार्ग पर अग्रसर हो सकते हैं। इसलिए सत्य ही कहा गया है कि जब मैनाक पर्वत ने राम भक्त हनुमान को विश्राम के लिए कहा, तब हनुमान जी ने कहा:

हनुमान तेहि परसा कर पुनि कीन्ह प्रनाम।
राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ बिश्राम।

हनुमान जी अपार बलशाली और वीर हैं, तो विद्वता में भी उनका सानी नहीं है। फिर भी उनके भीतर रंच मात्र भी अहंकार नहीं है। आज के समय में थोड़ी शक्ति या बुद्धि हासिल कर व्यक्ति अहंकार से भर जाता है, किंतु बाल्यकाल में सूर्य को ग्रास बना लेने वाले हनुमान राम के समक्ष मात्र सेवक की भूमिका में रहते हैं। वह जानते हैं कि सेवा ही कल्याणकारी मंत्र है। बल्कि जिसने भी अहंकार किया, उसका मद हनुमान जी ने चूर कर दिया। सीता हरण के बाद न सिर्फ तमाम बाधाओं से लड़ते हुए हनुमान समुद्र पार कर लंका पहुंचे, बल्कि अहंकारी रावण का मद चूर-चूर कर दिया। जिस स्वर्णलंका पर रावण को अभिमान था, हनुमान ने उसे ही दहन कर दिया। यह रावण के अहंकार का प्रतीकात्मक दहन था। अपार बलशाली होते हुए भी हनुमान जी के भीतर अहंकार नहीं रहा। जहां उन्होंने राक्षसों पर पराक्रम दिखाया, वहीं वे श्रीराम, सीता और माता अंजनी के प्रति विनम्र भी रहे। उन्होंने अपने सभी पराक्रमों का श्रेय भगवान राम को ही दिया। वह दृश्य किसकी स्मृति में नहीं होगा, जब हनुमान जी लक्ष्मण के मूर्छित होने पर संजीवनी बूटी ही नहीं, पूरा पर्वत ले आए थे। उनकी निष्काम सेवा भावना ने ही उन्हें भक्त से भगवान बना दिया। पौराणिक ग्रंथों में एक कथा है कि भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न ने भगवान राम की दिनचर्या बनाई, जिसमें हनुमान जी को कोई काम नहीं सौंपा गया। आग्रह करने पर उनसे राम को जम्हाई आने पर चुटकी बजाने को कहा गया। हनुमान जी भूख, प्यास और निद्रा का परित्याग कर सेवा को तत्पर रहते हुए, रात को माता जानकी की आज्ञा से उन्हें कक्ष से बाहर जाना पड़ा। वे बाहर बैठकर निरंतर चुटकी बजाने लगे। हनुमान जी के जाने से श्रीराम को लगातार जम्हाई आने लगी। जब हनुमान ने भीतर आकर चुटकी बजाई, तब जम्हाई बंद हुई। रामजी की वानर सेना का उन्होंने नेतृत्व जिस तरह किया, हम उनसे सीख ले सकते हैं। जब वे शापवश अपनी शक्तियों को भूल गए, तब याद दिलाए जाने पर उन्होंने समुद्र पार जाने में तनिक भी देर नहीं लगाई। वहीं लक्ष्मण को शक्ति लग जाने पर जब वे संजीवनी बूटी लाने पर्वत पर पहुंचे, तो भ्रम होने पर उन्होंने पूरा पर्वत ले जाने का त्वरित फैसला लिया। हनुमान जी के ये गुण अपनाकर ही हनुमान जयंती मनाना सफल होगा। हनुमानजी आज भी हमारे बीच हैं। कहते हैं कि मानव जाति के इतिहास में हनुमानजी से बढ़कर कोई भक्त नहीं हुआ।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया,
राम लक्ष्मण सीता मन बसिया।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

बाबासाहब को अपने जीवन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बचपन से ही उन्हें भेदभाव और असमानता का सामना करना पड़ा। फिर भी, उन्होंने अपने पूरे जीवन में हिंदू समाज को एकजुट करने का प्रयास किया।

-मोहन भागवत, आरएसएस प्रमुख

इस कानून की आड़ में दलितों, पिछड़ों को टारगेट किया जा रहा है। लाखों की संख्या में कमजोर तबके के लोग जेलों में हैं जबकि माफिया ने अवैध शराब का लगभग 40 हजार करोड़ की पैरलल इकनॉमी खड़ा कर लिया है।

-तेजस्वी यादव,नेता, आरजेडी

शराबबंदी कानून से किसी को परेशान नहीं किया जा रहा है। तेजस्वी यादव शराबबंदी के विरोध में वकालत इसलिए करते हैं क्योंकि शराब वाले लोगों से उनकी सांठ गांठ है। वे लोग तेजस्वी यादव को फाइनेंस करते हैं।

-ललन सिंह, नेता, जेडीयू

नीतीश कुमार बीजपी के रिमोट से चल रहे हैं। खुद सरकार नहीं चला रहे बल्कि सारा पावर बीजेपी और आरएसएस को दे दिया है। इसीलिए राज्य में अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ गया है।

-राबड़ी देवी,भूतपूर्व सीएम, बिहार

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

एसआरए के पांच करोड़ दस्तावेज होंगे ऑनलाइन

झुग्गीवासियों को मिलेगी बड़ी राहत

दीपक पवार । मुंबई

झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) द्वारा पांच करोड़ से अधिक दस्तावेजों को स्कैन कर संरक्षित करने की प्रक्रिया जोरों पर है। अगले 15 दिनों में यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद झुग्गीवासियों को जरूरी दस्तावेज सूचना के अधिकार (RTI) के तहत मांगे बिना सीधे ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेंगे। यह पहली बार होगा जब कोई सरकारी प्राधिकरण इतने बड़े पैमाने पर पारदर्शी और प्रत्यक्ष सेवा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री को प्रस्तुत 100 दिवसीय कार्यक्रम में इसे प्राथमिकता दी गई है। प्रारंभिक लक्ष्य दो करोड़ दस्तावेजों का था, लेकिन अब पांच करोड़ दस्तावेज स्कैन किए जा रहे हैं।

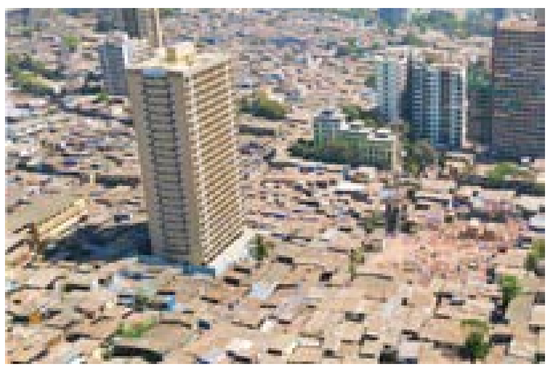

CEO डॉ. महेंद्र कल्याणकर की पहल

इस परियोजना को गति देने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेंद्र कल्याणकर ने खुद निगरानी करते हुए विशेष कक्ष की स्थापना की। उन्होंने दस्तावेजों के डिजिटल संरक्षण को 'दस्तावेज-मुक्त प्रशासन' की दिशा में बड़ा कदम बताया।

तीव्र गति से हो रहा कार्य

एसआरए परिसर में बनाए गए विशेष कक्ष में स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन कंपनी द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। प्रतिदिन 2.5 लाख दस्तावेज स्कैन करने की क्षमता वाली 10 मशीनें लगाई गई हैं। दस्तावेजों को 'ए', 'बी', 'सी' और 'डी' श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

'डी' श्रेणी के दस्तावेज होंगे नष्ट

'डी' श्रेणी में शामिल वे दस्तावेज हैं जो केवल सीमित अवधि के लिए जरूरी होते हैं। इन्हें निर्धारित समयावधि के बाद नष्ट कर दिया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव संदीप देशमुख ने बताया कि दस्तावेजों के संरक्षण और झुग्गीवासियों को समय पर डिजिटल जानकारी उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

झुग्गीवासियों को RTI से राहत

अब तक पात्रता से जुड़ी जानकारी या योजना संबंधित दस्तावेजों के लिए झुग्गीवासियों को सूचना के अधिकार के तहत आवेदन करना पड़ता था। लेकिन इस नई व्यवस्था के तहत वे ऑनलाइन सीधे दस्तावेज देख सकेंगे।

ठाणे मनपा क्षेत्र में अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत

आयुक्त सौरभ राव ने शहीद अग्निशमन कर्मियों को दी श्रद्धांजलि

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

अग्निशमन दिवस के अवसर पर ठाणे महानगरपालिका (मनपा) अग्निशमन विभाग की ओर से सोमवार से अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत की गई। बालकुम फायर स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में मनपा आयुक्त सौरभ राव ने शहीद स्तंभ पर पुष्प अर्पित कर अग्निशमन सेवा के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उपायुक्त उमेश बिरारी, अग्निशमन विभाग के उपायुक्त दिनेश तायडे, उपायुक्त शंकर पटोले, अग्निशमन विभाग प्रमुख गिरीश झलके, आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा एसोसिएशन की दान पेटी का उद्घाटन भी उपस्थित अधिकारियों के हाथों संपन्न हुआ।

1944 के शहीदों की स्मृति में मनाया जाता है अग्निशमन दिवस

गौरतलब है कि 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर खड़ी एक जहाज में गोला-बारूद के विस्फोट से भयंकर आग लग गई थी, जिसमें मुंबई फायर ब्रिगेड के 66 अधिकारी-कर्मचारी शहीद हो गए थे। उन्हीं की स्मृति में हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है।

20 अप्रैल तक होंगे जनजागरूकता कार्यक्रम

सेवा सप्ताह के अंतर्गत 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक विभिन्न प्रतिष्ठानों और हाउसिंग सोसायटियों में अग्नि सुरक्षा को लेकर प्रदर्शन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

केडीएमसी में मनाई गई भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती

कल्याण। भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर कल्याण डोंबिवली महापालिका में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल ने महापालिका मुख्यालय में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित की। इसके बाद उन्होंने कल्याण पश्चिम स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान में भी उनकी पूर्णाकृति प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर रमेश जाधव, उपआयुक्त अवधुत तावडे, कार्यकारी अभियंता अशोक घोडे, सहायक आयुक्त धनंजय थोरात, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी माधवी पोफळे, शिक्षा अधिकारी विजय सरकटे और अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कल्याण डोंबिवली महापालिका के डोंबिवली विभाग में परिमंडल-2 के उप आयुक्त रमेश मिसाळ ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा और फ प्रभाग कार्यालय में स्थित उनके तैलचित्र पर पुष्पहार अर्पित किया। इस दौरान कार्यकारी अभियंता मनोज सांगळे, सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर, स्वच्छता अधिकारी शरद पांढरे और अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। कल्याण पूर्व स्थित राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज प्रभाग क्षेत्र कार्यालय में अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप आयुक्त अतुल पाटील, सहायक आयुक्त उमेश यमगर और अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

ठाणे में निकाली गई संविधान गौरव यात्रा

बाबासाहेब अंबेडकर जयंती व संविधान अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती तथा भारतीय संविधान के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में ठाणे में भव्य संविधान गौरव यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा विधायक संजय केलकर की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ठाणे शहर जिला की ओर से निकाली गई। इस रैली में विधायक निरंजन डावखरे, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, बौद्ध भिक्षु, पूर्व नगरसेवक संदीप लेले, नारायण पवार, भरत चव्हाण, मृणाल पेंडसे, सुरेश कांबले, युवा मोर्चा अध्यक्ष सूरज दलवी, सचिन पाटिल, राजेश गाडे, विशाल वाघ, कृपाल कांबले, प्रदीप जाधव समेत बड़ी संख्या में भीम सैनिक और कार्यकर्ता शामिल हुए।

रैली का मार्ग और समापन

रैली की शुरुआत भाजपा खोपट कार्यालय से डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। रैली अंबेडकर रोड से होते हुए कोर्ट नाका स्थित संविधान चौक, फिर अंबेडकर प्रतिमा और बाजार क्षेत्र से गुजरते हुए स्टेशन परिसर में जाकर संपन्न हुई। पूरी यात्रा के दौरान ^जय भीम^ और ^बाबासाहेब अम्बेडकर अमर रहें^ जैसे नारों से माहौल गूंजता रहा। नागरिकों और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को बेस्ट के उप महाप्रबंधक (विद्युत आपूर्ति) डॉ. राजेंद्र पतसुते ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पवित्र स्मृति में उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि अर्पित की।

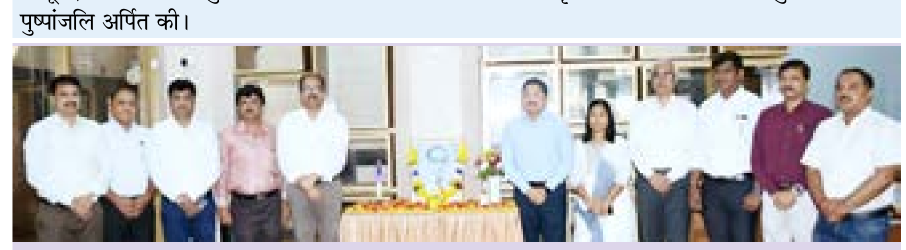

महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी में भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की 134वीं जयंती उत्साह के साथ मनाई गई। प्रारंभ में महापारेषण के निदेशक (परियोजना) अविनाश निंबालकर ने भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा को नमन कर अभिनंदन किया. इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) सुगत गमरे, मुख्य अभियंता जूली वाघ, सुनील सूर्यवंशी, भूषण बल्लाल, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) मंगेश शिंदे, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) नितिन कांबले, अभय रोही, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी किशोर पाटिल, प्रशांत गोर्डे, प्रोटोकॉल अधिकारी सतीश जाधव सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ठाणे सिविल अस्पताल में बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि

लोकतंत्र, समानता और सामाजिक न्याय के मूल्यों को किया गया याद

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर ठाणे सिविल अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समानता के मूल विचारों को स्मरण किया गया। इस मौके पर छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. आंबेडकर को एक साथ श्रद्धांजलि दी गई।

चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अधिकारी रहे शामिल

कार्यक्रम में क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नेताजी मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही, डॉ. मृणाली राहुड़, डॉ. संगीता माकोड़े, डॉ. निशिकांत रोकड़े, डॉ. प्रियंका महानगाड़े, सहायक प्रतिभा बर्डे, अधिसेविका घने और प्रोफेसर श्रद्धा मेस्त्री ने भी अपने विचार साझा किए और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

देश को जोड़ने की शक्ति है लोकतंत्र : राज असरोंडकर

कार्यक्रम में लोकनेता राज असरोंडकर ने कहा, "एक देश केवल ज़मीन या पत्थरों से नहीं, बल्कि अपने लोगों से बनता है। और जो व्यवस्था इन लोगों को जोड़कर रखती है, वह लोकतंत्र है। यही विचार बाबासाहेब ने अपने दृष्टिकोण से देश को दिया।"

तीनों महापुरुषों के विचारों को बताया परस्पर पूरक

अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य उपसंचालक डॉ. अशोक नांदापुरकर ने अपने संबोधन में शिवाजी महाराज के न्यायपूर्ण प्रशासन, महात्मा फुले की सामाजिक समानता की भावना और डॉ. आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के मूल्यों को एक-दूसरे से जुड़ा हुआ बताया। उन्होंने सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की आवश्यकता पर बल दिया।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने ठाणे में बाबा साहब आंबेडकर का अभिवादन

नगर निगम ने किया था आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। यह आयोजन ठाणे नगर निगम द्वारा अदालत नाका पर किया गया था।

गणमान्य हुए शामिल

इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के, ठाणे कलेक्टर अशोक शिनागारे और मनपा आयुक्त सौरभ राव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद आनंद परंजपे, पूर्व महापौर संजय मोर, पूर्व पार्षद पवन कदम, उपायुक्त जी.जी. गॉडपुर और डिप्टी कमिश्नर शंकर पटोल सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।

पत्रकारों ने भी दी श्रद्धांजलि

नगरपालिका मुख्यालय के पत्रकार कक्ष में डॉ. आंबेडकर की तस्वीर पर माला अर्पित की गई। इस अवसर पर ठाणे सिटी डेली जर्नलिस्ट एसोसिएशन के सदस्य, उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गॉडपोर और पत्रकार समुदाय की उपस्थिति रही।

रेलवे स्टेशन और नगर निगम मुख्यालय में भी हुआ आयोजन

इससे पहले, ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त उमेश बिरारी, शंकर पटोल और सहायक आयुक्त सोपन भाई सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। ठाणे नगरपालिका मुख्यालय के डॉ. नरेंद्र बल्लल हॉल में भी विशेष आयोजन हुआ, जहां बाबासाहेब की प्रतिमा का स्वागत किया गया। मौके पर सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी रवींद्र मंज्रेकर, डिप्टी पीआरओ प्राची डिंगंकर और मनपा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राज्यभर में स्थापित होंगे ज्ञान केंद्र

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा को जनमानस तक पहुंचाना होगा उद्देश्य

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

उद्योग और मराठी भाषा मंत्री मा. ना. उदय सामंत ने कल्याण पूर्व में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ज्ञान केंद्र के उद्घाटन के दौरान यह महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्यभर में इसी तरह के ज्ञान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उनका उद्देश्य भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा और उनके योगदान की जानकारी जनमानस तक पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि कल्याण में स्थापित ज्ञान केंद्र की तर्ज पर राज्य के विभिन्न स्थानों पर भी ऐसे केंद्र बनाए जाएंगे, जो डॉ. आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और विचारधारा को इंटरएक्टिव तरीके से प्रस्तुत करेंगे।

ज्ञान केंद्र का उद्देश्य और महत्व

सामाजिक न्याय मंत्री मा. ना. संजय शिरसाठ ने कहा कि इस तरह के ज्ञान केंद्रों की आवश्यकता थी और यह केंद्र तळागाळातील विद्यार्थियों के लिए 125 हॉस्टल बनाने की योजना का हिस्सा हैं, जिससे लगभग 25,000 छात्रों को प्रवेश मिलेगा। महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल ने बताया कि इस ज्ञान केंद्र के निर्माण पर 16.70 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, जिसमें से 9 करोड़ रुपए सरकार द्वारा मंजूर किए गए हैं। यह केंद्र 14 अप्रैल से आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। कार्यक्रम में शिवसेना के कल्याण जिलाध्यक्ष गोपाल लांडगे, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक समिति के कार्याध्यक्ष महेश गायकवाड, महापालिका के पूर्व अधिकारी और नागरिकों की बड़ी संख्या उपस्थित थी।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष
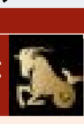
लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। कुसंगति से हानि होगी, बचें। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छी बात का भी विरोध हो सकता है। धैर्य रखें। अज्ञात भय सताएगा।

वृष

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। बेवजह खर्च होगा। तनाव रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। जल्दबाजी न करें। शत्रु पस्त होंगे।

मिथुन

थोड़े प्रयास से ही काम बनेंगे। कार्यप्रणाली की प्रशंसा मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। प्रेम-प्रसंग के अवसर सहज ही प्राप्त होंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा।

कर्क
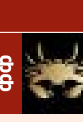
आय में वृद्धि होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। अच्छे कामों का भी विरोध हो सकता है। बुद्धि का प्रयोग आवश्यक है। भय रहेगा।

सिंह

दूसरों की बातों में न आएं। विवेक व धैर्य से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। नकारात्मकता बढ़ सकती है। प्रमाद न करें। काम पर ध्यान दें। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में विशेष सावधानी रखें।

कन्या

धनागम सहज ही होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कानूनी समस्या खड़ी हो सकती है।

तुला

किसी अपने के व्यवहार से दिल को ठेस पहुंच सकती है। समय पर आवश्यक वस्तु न मिलने से तनाव रहेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। आय में निश्चितता रहेगी। थकान महसूस होगी। अनावश्यक विवाद को बढ़ावा न दें।

वृश्चिक
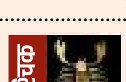
पुराना रुका हुआ पैसा मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु
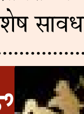
अनावश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। चिड़चिड़ापन रहेगा। बेवजह कहासुनी हो सकती है। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

मकर

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त करेगा। अध्ययन में मन लगेगा। धनार्जन सहज होगा। आलस्य न करें।

कुंभ

नई योजना बनेगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। नए अनुबंध हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

मीन

स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। लेन-देन में हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

अगर आपके घर में लड्डू गोपाल हैं, तो इन बातों का विशेष ध्यान रखें

यदि आपके घर में लड्डू गोपाल जी विराजमान हैं, तो समझिए कि अब वह घर केवल आपका नहीं रहा — अब वह लड्डू गोपाल जी का घर बन चुका है। इसलिए उनका आदर-सत्कार और सेवा वैसी ही होनी चाहिए जैसे आप अपने किसी प्यारे परिवारजन की करते हैं। आइए जानते हैं वो आवश्यक बातें जिनका ध्यान हर भक्त को रखना चाहिए:

घर अब उनका है:
जिस घर में लड्डू गोपाल जी का प्रवेश होता है, वह घर अब आपका नहीं रहता। अब वह श्रीकृष्ण जी का घर है। इसलिए "मेरा घर" का भाव त्यागकर "मेरे ठाकुर का घर" का भाव अपनाएं।

परिवार के सदस्य की तरह मान दें:
लड्डू गोपाल जी अब आपके परिवार के एक प्रिय और आदरणीय सदस्य हैं — बल्कि यूँ कहें कि अब यह परिवार उनका है। उन्हें उसी प्रेम और सम्मान से स्थान दें।

आवश्यकताओं का ध्यान रखें:
जिस प्रकार हम अपने परिवार के सदस्यों की छोटी-बड़ी आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, वैसे ही बाल गोपाल की जरूरतों का भी ध्यान रखना आवश्यक है — भोजन, वस्त्र, विश्राम, स्नान आदि सब कुछ।

प्रियंका जैन
9769994439

भावनाओं के भूखे हैं:
लड्डू गोपाल किसी दिखावे या ताम-झाम से नहीं, बल्कि आपके प्रेम और सच्चे भाव से प्रसन्न होते हैं। आप जितना प्रेम देंगे, वो उतने ही अपने बनते जाएंगे।

प्रतिदिन स्नान कराएं:
लड्डू जी को प्रतिदिन स्नान अवश्य कराएं। मौसम का विशेष ध्यान रखें — सर्दियों में गुनगुना और गर्मियों में ठंडा जल ही उपयोग करें। स्नान के बाद साफ-सुथरे वस्त्र पहनाएं।

भोजन की व्यवस्था करें:
जिस प्रकार आपको समय पर भूख लगती है, उसी प्रकार बाल गोपाल को भी। उनके लिए सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन और शाम का अल्पाहार अवश्य तैयार करें।

हर खाद्य पदार्थ में उनका हिस्सा हो:
घर में कोई भी खाने की वस्तु आए — मिठाई हो, फल हो या पकवान — उसमें लड्डू गोपाल जी का हिस्सा ज़रूर रखें। पहले उन्हें अर्पित करें, फिर स्वयं ग्रहण करें।

मौसम के अनुसार वस्त्र और देखभाल:
हर मौसम के अनुसार लड्डू गोपाल के लिए वस्त्र, कंबल, पंखा, हीटर आदि की व्यवस्था करें। उन्हें ठंड या गर्मी न लगे, इसका ध्यान रखें।

खिलौने लाएं और साथ खेलें:
बाल स्वरूप श्रीकृष्ण को खिलौने बहुत प्रिय हैं। उनके लिए सुंदर खिलौने लाएं और समय निकालकर उनके साथ खेलें भी।

घुमाने जरूर ले जाएं:
समय-समय पर उन्हें घर से बाहर ले जाकर सैर कराएं — जैसे बगीचे, मंदिर या किसी सुंदर स्थान पर। यह अनुभव उन्हें भी प्रसन्न करेगा और आपको भी।

नाता ज़रूर बनाएं:
लड्डू गोपाल जी से कोई भावनात्मक नाता अवश्य जोड़ें — चाहे वह पुत्र का हो, भाई का हो, मित्र का या गुरु का। उस नाते को पूरी श्रद्धा और प्रेम से निभाएं।

प्यारा-सा नाम रखें:
अपने लड्डू गोपाल के लिए कोई सुंदर, भावपूर्ण और प्रेमभरा नाम ज़रूर रखें। जैसे — नन्हे, कान्हा, माखनचोर, लड्डू आदि।

संवाद बनाए रखें:
उनसे प्रेम से बातें करें, उन्हें अपनी दिनचर्या सुनाएं, उनके साथ मन लगाकर खेलें और मन की बातें साझा करें। यही सच्चा संवाद है।

3831 करोड़ की लागत से बने गंगा पथ पुल में आई दरार

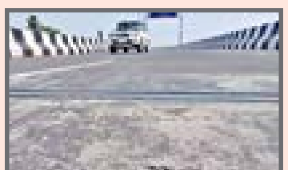

पटना: बिहार में पुल और सड़क के निर्माण में किस कदर अनियमितता बरती जाती है, इसका ताजा उदाहरण है पटना का जेपी गंगा पथ पुल। जिसमें उद्घाटन के दो दिन बाद ही दरार दिखने लगी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तामझाम के साथ इसका लोकार्पण किया था। इसका वीडियो सामने आने के बाद पथ निर्माण विभाग की लापरवाही साफ नजर आ रही है। हालांकि मामला सामने आने के बाद विभागीय मंत्री नितिन नवीन ने जांच का आदेश दिया है। पटना के जेपी गंगा पथ पुल के निर्माण पर 3831 करोड़ रुपए की लागत आई है लेकिन दो दिन बाद ही दीदारगंज के पास ब्रिज के पाया (पिलर) संख्या A-3 के पास दरारें साफ नजर आ रही हैं। ये दरारें पुल की दोनों लेन में दिख रही हैं। दरारों ने राज्य सरकार की कार्यशैली और इंजीनियरिंग की पोल खोल दी है।

सीवरेज टैंक के गड्ढे ने ली बच्चे की जान

रायपुर: गुढ़ियारी थाना के रामनगर चौकी इलाके में खेलने के दौरान 3 बच्चे सेप्टिक टैंक के लिए खोदे गए गड्ढे में गिर गए। हादसा गुलमोहर पार्क कॉलोनी के पास हुआ। गड्ढे में जमा पानी में डूबने से 1 बच्चे की मौत हो गई जबकि 2 बच्चों को स्थानीय लोगों की मदद से बचा लिया गया। सभी बच्चों की उम्र 5 से 7 साल के बीच है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम ने सीवरेज टैंक के लिए गड्ढा खोदा है जिसे खुला छोड़ दिया गया है। बारिश और पाइपलाइन लीकेज के चलते गड्ढे में पानी भर गया था। बच्चे खेलते खेलते उस गड्ढे के पास पहुंचे और उसमें गिर गए।

कोल्हान में नक्सलियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन की तैयारी

रांची: माओवादियों के खिलाफ सीआरपीएफ और पुलिस की चौतरफा घेराबंदी अब निर्णायक जंग की ओर बढ़ती दिख रही है। झारखंड के ज्यादातर जिलों से उखाड़ने के बाद कोल्हान के घने जंगल और पहाड़ियों का फायदा उठाकर लैंड माइंस की आड़ में छिपे टॉप माओवादियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की तैयारी है। वहीं इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए खुद डीजीपी अनुराग गुप्ता सुबह 9:30 अपनी टीम के साथ पहुंच चुके हैं। वह यहां शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दरअसल कोल्हान क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को नुकसान झेलना पड़ रहा है। 12 अप्रैल को आईईडी की चपेट में आने से झारखंड जगुआर के जवान सुनील धान शहीद हो गए थे।

19 अप्रैल को होने वाली लिखित परीक्षा स्थगित

देहरादून: राज्य में भर्ती परीक्षाओं को लेकर उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने कुछ नया अपडेट जारी किया है। इसमें हवलदार प्रशिक्षक पद पर लिखित परीक्षा को स्थगित किया गया है। इसके अलावा समूह ग सीधी भर्ती के माध्यम से सहकारी निरीक्षक वर्ग के दो खाली पदों के लिए विज्ञापन भी जारी हुआ है। इसके साथ ही पूर्व में समूह ग की विज्ञप्ति में से पशुपालन विभाग के अंतर्गत पशुधन प्रसार अधिकारी पद पर भर्ती को निरस्त किया गया है। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने हवलदार प्रशिक्षक पद के लिए लिखित प्रतियोगी परीक्षा को स्थगित कर दिया है। राज्य में हवलदार प्रशिक्षक के खाली पदों के लिए 19 अप्रैल 2025 को लिखित परीक्षा आहूत की जानी थी, लेकिन आयोग ने कुछ अपरिहार्य कारणों के चलते इस परीक्षा को स्थगित कर दिया है।

'पहले शरियत फिर संविधान'

आंबेडकर जयंती पर झारखंड के मंत्री के बयान से बवाल

एजेंसी । रांची

झारखंड में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। राज्यपाल गंगवार ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को सामाजिक न्याय, समानता और समरसता का प्रेरणास्रोत बताया। वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन ने बाबा साहेब को समता और समानता का अधिकार देने वाला बताया। इसी बीच झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन का एक ऐसा बयान सामने आया है जिसे लेकर सूबे की सियासत गरमा गई है।

हफीजुल हसन ने क्या कहा?

एक चैनल से बातचीत में झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि मेरे लिए शरियत बड़ा है। हम कुरान सीने में रखते हैं और हाथ में संविधान... मुसलमान कुरान सीने में और संविधान हाथ में लेकर चलता है। ठीक है, तो हम पहले शरियत को पकड़ेंगे फिर संविधान को... हसन ने कहा कि मुसलमानों के लिए शरीयत पहले आती है, फिर देश का संविधान... इसके बाद विपक्षी भाजपा हमलावर हो गई और बयान पर सियासी माहौल गरम हो गया। झारखंड भाजपा ने एक्स पर लिखा- जिनके दिल में शरीयत है, उनके लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश के दरवाजे खुले हैं। भारत केवल बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान पर चलेगा और सर्वोच्च रहेगा।

BJP बोली- इनके लिए संविधान नहीं

बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मंत्री हसन कह रहे हैं कि शरीयत मेरे लिए बड़ा है... हम पहले शरीयत फिर संविधान अपनाएंगे। मरांडी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा- मंत्री हफीजुल हसन के लिए संविधान नहीं, शरीयत मायने रखता है, क्योंकि ये अपने 'लक्ष्य' के प्रति स्पष्ट हैं और सिर्फ अपने कौम के प्रति वफादार... चुनाव के समय इन्होंने गरीब, दलित, आदिवासियों के सामने हाथ जोड़कर वोट मांगा और अब इस्लामिक एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

यह सोच आदिवासी अस्मिता के लिए खतरा

बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने आगे कहा- हफीजुल की यह कट्टर सोच पूरे प्रदेश खासकर संथाल परगना की सांस्कृतिक पहचान और आदिवासी अस्मिता के लिए खतरा बनती जा रही है। संवैधानिक पद पर बैठा कोई भी व्यक्ति यदि कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देता है तो वर्तमान के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए भी खतरा पैदा करता है।

बर्खास्त करने की मांग

इसके साथ ही बाबूलाल मरांडी ने सभी दलों के नेताओं से एक अपील भी की। उन्होंने कहा कि इस विषय पर सभी पक्षों के नेताओं को राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर आत्ममंथन करने की जरूरत है। शरीयत, बाबासाहब के रचित संविधान की मूल भावना के विपरीत है। यदि राहुल गांधी और हेमंत सोरेन में संविधान के प्रति सच्ची आस्था है, तो उन्हें तुरंत हफीजुल हसन को कैबिनेट से बर्खास्त करना चाहिए।

हफीजुल हसन का यू-टर्न

फिर जब झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन से इस बयान पर स्पष्टीकरण मांगा गया तो राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने यू-टर्न ले लिया। उन्होंने कहा कि संविधान और शरीयत दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। मैंने कहा था कि शरीयत मेरे सीने में है, लेकिन बाबा साहब का संविधान हमारे हाथ में है। संविधान और शरीयत दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

मेरठ में युवक को सांप ने 10 बार डसा, हुई मौत

▶▶ शव के पास पूरी रात बैठा रहा जहरीला नाग

एजेंसी । मेरठ

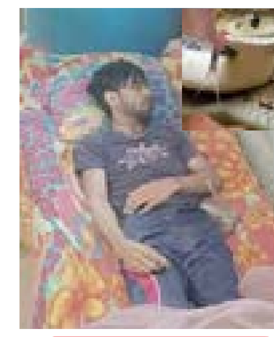

जिले के सादात गांव से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शनिवार रात घर में घुसे सांप ने 25 वर्षीय युवक अमित को सोते वक्त डस लिया। हैरानी की बात यह रही कि सांप ने उसे एक बार नहीं, बल्कि करीब 10 बार काटा और फिर पूरी रात मृत युवक के शव के पास बैठा रहा।

सुबह का दृश्य देख चीख पड़े घरवाले

अमित के परिजनों को इस दर्दनाक हादसे की जानकारी तब हुई जब सुबह वे उसे जगाने पहुंचे। बिस्तर पर सांप को बैठा देख घर में हड़कंप मच गया। तुरंत सपेरे को बुलाया गया, जिसने सांप को पकड़ लिया। जब परिजनों ने अमित को उठाने की कोशिश की, तो उसके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम में मिले 10 सर्पदंश के निशान

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराया। जांच में अमित के शरीर पर सांप के काटने के 10 निशान मिले। माना जा रहा है कि सांप ने एक बार नहीं बल्कि कई बार डसकर उसकी जान ली।

शादीशुदा था अमित, पीछे छोड़ गया तीन मासूम बच्चे

अमित मजदूरी करता था और अपने चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। वह शादीशुदा था और उसके तीन छोटे बच्चे हैं। युवक की मौत के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन गांव में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है।

झामुमो महाधिवेशन में गरजे सीएम हेमंत सोरेन

आदिवासी-मूलवासी के हक की लड़ाई अबुआ सरकार लड़ रही है : सीएम सोरेन

एजेंसी । रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महाधिवेशन के उद्घाटन सत्र में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर शुरू हुए इस दो दिवसीय अधिवेशन में उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में झारखंड की जनता ने डबल इंजन की सरकार को उखाड़ फेंका था। उन्होंने कहा कि गुरुजी (शिबू सोरेन) का लगाया गया पौधा अब एक विशाल वृक्ष का रूप ले चुका है।

विपक्ष की तमाम कोशिशों के बावजूद झुकी नहीं अबुआ सरकार

हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि 2019 में झामुमो, कांग्रेस और राजद के महागठबंधन की सरकार बनने के बाद उसे लगातार परेशान करने की कोशिश की गई। बावजूद इसके, उनकी सरकार ने किसी दबाव के आगे झुकना मंजूर नहीं किया। उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार लगातार झारखंड के आम लोगों के हित में फैसले ले रही है।

शोषण के खिलाफ खड़ी है अबुआ सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के गठन के बाद लंबे समय तक सत्ता ऐसे लोगों के हाथ में रही, जिन्हें आदिवासी-मूलवासी की पीड़ा से कोई मतलब नहीं था। गलत नीतियों के कारण आदिवासी, मूलवासी और किसान आत्महत्या तक करने को मजबूर थे। लेकिन अब उनकी सरकार इन वर्गों को उनका हक दिलाने का काम कर रही है।

अधिकार की लड़ाई में मजबूती से डटा है झामुमो

हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा आदिवासी-मूलवासी, दलित, शोषित, गरीब, और पीड़ित समाज की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस मौके पर कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को और मजबूत करें और आने वाले समय के लिए तैयार रहें।

बिहार पुलिस करेगी परदेशियों के घर की रखवाली

▶▶ चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए पुलिस की पहल

एजेंसी । सीतामढ़ी

जिले में बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमित रंजन ने नौकरीपेशा लोगों के लिए खास संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा है कि जो लोग लंबे समय तक घर में ताला लगाकर बाहर रहते हैं, वे पुलिस को इसकी लिखित जानकारी दें, ताकि पुलिस उनके घरों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके और उस इलाके में नियमित गश्त की व्यवस्था की जा सके।

लिखित सूचना देने से मिलेगी सुरक्षा

एसपी ने कहा कि जिले में ऐसे कई लोग हैं जो कामकाज के सिलसिले में बाहर रहते हैं और अपने घर की नियमित देखभाल नहीं कर पाते। यदि ऐसे लोग पुलिस को पूर्व सूचना देंगे, तो उस क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाएगी और चोरी जैसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सकेगी।

चोरी की शिकायतों से बढ़ रहा था दबाव

पुलिस पर चोरी की बढ़ती शिकायतों का दबाव साफ नजर आ रहा है। हालांकि, कुछ मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर चोरों को गिरफ्तार भी किया है।

बंद मकान बन रहे चोरी का आसान निशाना

पिछले कुछ समय से जिले में बंद मकानों को चोर निशाना बना रहे हैं। ऐसे में एसपी की यह अपील लोगों को न सिर्फ राहत देगी, बल्कि पुलिस के लिए भी अपराध नियंत्रण में मददगार होगी।

लोगों से सतर्कता और सहयोग की अपील

एसपी अमित रंजन ने कहा कि पुलिस अकेले सब कुछ नहीं कर सकती। लोगों की सतर्कता और सहयोग जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घर की सुरक्षा को लेकर सजग रहें, जरूरत पड़ने पर पड़ोसियों या स्थानीय थाना को सूचित करें।

पीएम मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ के गारंटी मुक्त ऋण स्वीकृत

▶▶ 68% लाभार्थी महिलाएं, नए कारोबार से बढ़ी आर्थिक भागीदारी: पंकज चौधरी

एजेंसी । नई दिल्ली/नागपुर

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) के तहत अब तक 52 करोड़ लोगों को 33 लाख करोड़ रुपए से अधिक के गारंटी मुक्त ऋण दिए जा चुके हैं। इनमें से 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो अब आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान दे रही हैं।

बाबा साहेब को दी पुष्पांजलि, संविधान मूल्यों को बताया प्रेरणा स्रोत

इस मौके पर चौधरी ने पावन दीक्षाभूमि पहुंचकर डॉ. भीमराव आंबेडकर को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने बाबा साहेब की विरासत को सहेजने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं, जिनमें पंच तीर्थ का विकास, संवैधानिक चेतना का प्रचार और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता शामिल है।

नागपुर में आईआरएस अधिकारियों को किया संबोधित

पंकज चौधरी नागपुर स्थित राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी में भारतीय राजस्व सेवा (IRS) के 77वें बैच के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि इन ऋणों की सीमा 50,000 रुपए से लेकर 20 लाख रुपए तक है और इस योजना ने लाखों लोगों को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाया है।

महिलाओं की भागीदारी से मजबूत हुआ आर्थिक ढांचा

राज्यमंत्री ने कहा कि पीएमएमवाई के तहत प्राप्त लोन की मदद से लोग नए-नए व्यवसाय शुरू कर रहे हैं और देश की आर्थिक वृद्धि में अहम भूमिका निभा रहे हैं। खासकर महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिला है।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया

कार्यक्रम से पूर्व चौधरी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने नवप्रशिक्षित अधिकारियों से करदाताओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और आर्थिक ढांचे को सशक्त बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

गैस मीटरों के लिए केंद्र सरकार ने तैयार किए मसौदा नियम

▶▶ परीक्षण, सत्यापन और स्टाम्पिंग होगी अनिवार्य

▶▶ उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के तहत गैस मीटरों के लिए नए मसौदा नियम तैयार किए हैं। इन नियमों के तहत व्यापारिक और वाणिज्यिक उपयोग से पहले गैस मीटरों का परीक्षण, सत्यापन और स्टाम्पिंग (मुहर लगाना) अनिवार्य किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाए गए नियम

नए नियम इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (OIML) के मानकों के अनुरूप हैं। ये न सिर्फ उपभोक्ताओं के लिए बल्कि विनिर्माताओं और गैस वितरण कंपनियों के लिए भी वैश्विक पद्धतियों के अनुसार काम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उपभोक्ता संरक्षण और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि इन मसौदा नियमों का उद्देश्य उपभोक्ता संरक्षण को सशक्त बनाना, न्यायसंगत व्यापार पद्धतियों को बढ़ावा देना और गैस की माप में सटीकता सुनिश्चित करना है। उपयोग में आने के दौरान मीटरों की शुद्धता बनाए रखने के लिए उनके पुनः सत्यापन की भी व्यवस्था की गई है।

सटीक मापन से घटेगा विवाद, सुनिश्चित होगी उचित बिलिंग

मंत्रालय के अनुसार सत्यापित और मुहर लगे गैस मीटर न सिर्फ अधिक शुल्क या गलत माप को रोकेंगे, बल्कि उपभोक्ताओं को हेरफेर किए गए उपकरणों से भी सुरक्षा प्रदान करेंगे। इससे विवादों में कमी आएगी और बिलिंग में पारदर्शिता आएगी। इसके अलावा उपभोक्ताओं को बेहतर ऊर्जा दक्षता और कम रखरखाव लागत का लाभ भी मिलेगा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने खुदरा ऋण दरों में की 0.25% की कटौती

▶▶ होम और कार लोन होंगे सस्ते

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए खुदरा ऋण दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा रेपो रेट घटाए जाने के बाद उठाया गया है।

आरएलएलआर घटकर 8.80% हुआ

बैंक ने अपने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) को 9.05% से घटाकर 8.80% कर दिया है। यह नई दरें घर, कार, शिक्षा, सोना और अन्य खुदरा लोन उत्पादों पर लागू होंगी। बैंक ने कहा है कि यह कटौती लोन को और अधिक किफायती बनाएगी। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने दावा किया है कि होम लोन की दरें 7.85% से और कार लोन की दरें 8.20% से शुरू होंगी, जो बैंकिंग सेक्टर में सबसे कम मानी जा रही हैं। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बीते बुधवार को लगातार दूसरी बार 0.25% की कटौती करते हुए रेपो रेट को 6.25% से घटाकर 6.00% कर दिया था। इसके बाद कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है।

मार्क जुकरबर्ग को बेचना पड़ सकता है इंस्टाग्राम-व्हाट्सएप

कॉम्पिटिशन खत्म करने के इरादे से प्लेटफॉर्म्स खरीदने का आरोप

वाशिंगटन। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स- फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा को अपने दो प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम को बेचना पड़ सकता है। वजह है कंपनी के खिलाफ अमेरिका के वाशिंगटन में एंटीट्रस्ट मामले की सुनवाई। कंपनी पर US कॉम्पिटिशन एंड कंज्यूमर वॉच डॉग ने आरोप लगाया है कि उसने मार्केट के कॉम्पिटिशन खत्म करने और अपना एकाधिकार बनाने के लिए 2012 में इंस्टाग्राम (1 बिलियन डॉलर) और 2014 में व्हाट्सएप (22 बिलियन डॉलर) को खरीद लिया था। व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम को खरीदने के लिए फेडरल ट्रेड कमीशन (FTC) ने ही परमिशन दी थी। लेकिन नियमों के तहत FTC को डील के परिणाम को भी मॉनिटर करना होता है। इसलिए, उसे मेटा के खिलाफ मामला दर्ज करना पड़ा। अगर (FTC) केस जीत जाता है तो वह मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप दोनों को बेचने के लिए मजबूर कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जुकरबर्ग और कंपनी की पूर्व चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (COO) शेरिल सैंडबर्ग दोनों को इस मुकदमे में सुनवाई के दौरान पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। एंटी ट्रस्ट केस की सुनवाई 6 हफ्तों से ज्यादा चल सकती है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, मंगलवार, 15 अप्रैल 2025

पंजाब के सामने कोलकाता की कड़ी चुनौती

● श्रेयस और प्रियांश पर होगा टीम का दारोमदार

एजेंसी । मुल्लांपुर

आईपीएल के अगले मुकाबले में मंगलवार को पंजाब किंग्स का सामना अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। बीते मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ 245 रन बनाने के बावजूद हार का सामना कर चुकी पंजाब की टीम के लिए यह मैच बेहद अहम है। अभिषेक शर्मा की विस्फोटक शतकीय पारी ने पंजाब से जीत छीन ली थी।

बल्लेबाज चमके, गेंदबाज हुए बेअसर

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब की बल्लेबाजी तो लय में नजर आ रही है, लेकिन गेंदबाजी पूरी तरह लड़खड़ा चुकी है। खासकर स्पिनरों युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल ने पिछले मैच में मिलकर 7 ओवर में 96 रन लुटा दिए थे। ऐसे में पिच चयन को लेकर टीम असमंजस में है—क्या बल्लेबाजों को मदद देने वाली सपाट पिच तैयार की जाए या धीमी पिच बनाई जाए जो खुद उनके खिलाफ भी पड़ सकती है?

इकॉनमी रेट पर सवाल

चहल का इकॉनमी रेट 11.13 पहुंच चुका है, और उन्होंने 5 मैचों में केवल 2 विकेट ही लिए हैं। कोच रिकी पोंटिंग के सामने सबसे बड़ी चुनौती गेंदबाजों की धार लौटाना है, ताकि विरोधी टीम को काबू में रखा जा सके।

नंबर गेम

- 8 विकेट से हराया था पंजाब ने कोलकाता को पिछले साल दोनों के बीच खेले गए एकमात्र मुकाबले में
- 9 साल से कोलकाता की टीम पंजाब से उसके घर में जीती नहीं है। पिछली बार 2016 में मोहाली में छह विकेट से हराया था
- 38 रन दूर हैं शशांक सिंह पंजाब की ओर से पांच सौ रन पूरे करने से। वह 19 मैचों में 462 रन बना चुके हैं

क्या होगा घरेलू मैदान का फायदा?

पंजाब के लिए यह मुकाबला घरेलू दर्शकों के सामने सम्मान बचाने का मौका होगा। देखना होगा कि क्या टीम अपनी गेंदबाजी कमजोरी पर काबू पाकर कोलकाता की चुनौती का सामना कर पाएगी या फिर एक और हार उनके खेमे में निराशा बढ़ाएगी।

चावला को पीछे छोड़ देंगे अर्शदीप

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पंजाब किंग्स की ओर से सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ दो विकेट दूर हैं। वह अब तक 70 मैचों में 9.06 की इकोनॉमी से 82 विकेट चटका चुके हैं। पीयूष चावला (84 विकेट, 87 मैच) को पीछे छोड़ने के लिए उन्हें दो विकेट की दरकार है। अर्शदीप इस सत्र के पांच मैचों में 9.50 की इकोनॉमी से सात विकेट चटका चुके हैं। वह टीम की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

आमने-सामने

कुल मैच :	33
पंजाब जीता :	12
कोलकाता जीता :	21

कोलकाता की संतुलित टीम, किसी भी पिच पर घातक

कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम इस सीजन शानदार लय में है और सपाट हो या धीमा, हर तरह की पिच पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। टीम में नारायण, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह जैसे आक्रामक बल्लेबाजों के साथ वरुण चक्रवर्ती और नारायण जैसे असरदार स्पिनर भी हैं।

पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान और युवा पर निर्भर

कप्तान श्रेयस अय्यर अब तक 250 रन बनाकर टीम की रीढ़ बने हुए हैं, जबकि युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य (194 रन) इस सीजन की खोज बनकर उभरे हैं। अन्य बल्लेबाजों नेहाल वढेरा (141), प्रभसिमरन (133) और फिनिशर शशांक (108) ने भी अच्छा योगदान दिया है। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैक्सवेल और स्टोइनिस की खराब फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है।

दिल्ली के कप्तान अक्षर पर 12 लाख का जुर्माना

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर रविवार को मुंबई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। दिल्ली को 12 रन से हार मिली थी जो उसकी सत्र की पहली पराजय थी। बीसीसीआई के अनुसार यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधित अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी अक्षर की टीम का सत्र का पहला अपराध था। इसलिए उनपर 12 लाख जुर्माना लगाया गया है।

तीरंदाजी विश्व कप

धीरज को कांस्य, पुरुष टीम को रजत

एजेंसी । ऑबर्नडेल

तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में भारत ने कुल चार पदक अपने नाम किए। इसमें रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में धीरज बोम्मदेवरा को कांस्य और पुरुष रिकर्व टीम को रजत पदक मिला। 23 वर्षीय सेना के तीरंदाज धीरज ने कांस्य पदक मुकाबले में स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को 6-4 से हराया। वे मुकाबले में 2-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए पांच सेट के कड़े संघर्ष में जीत दर्ज करने में सफल रहे। हालांकि सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के ओलंपिक रजत पदक विजेता फ्लोरियन उनरुह से 1-7 से हार का सामना करना पड़ा था। धीरज ने तरुणदीप राय और अतनु दास के साथ टीम स्पर्धा में चीन के खिलाफ फाइनल खेला, जिसमें भारत को 1-5 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

चार पदकों के साथ भारत का अभियान

भारत ने कुल चार पदक जीते। कंपाउंड मिश्रित टीम में स्वर्ण, कंपाउंड पुरुष टीम में कांस्य, रिकर्व पुरुष टीम में रजत, और व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज को कांस्य। कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में अभिषेक वर्मा हालांकि पदक जीतने से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे।

अलेक्ना ने चक्का फेंक में अपना ही विश्व रिकॉर्ड सुधारा

एजेंसी । रमोना

लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने ओक्लाहोमा थ्रोज सीरीज़ वर्ल्ड इनविटेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए चक्का फेंक का विश्व रिकॉर्ड दो बार तोड़ा। पहले प्रयास में उन्होंने 74.89 मीटर की दूरी तय की, जिससे उन्होंने अपने ही पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इसके कुछ देर बाद उन्होंने 75.56 मीटर चक्का फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। ऑस्ट्रेलिया के मैट डेनी ने 74.78 मीटर की दूरी फेंककर कुछ समय के लिए रिकॉर्ड अपने नाम किया था। लेकिन 22 वर्षीय अलेक्ना ने तुरंत वापसी करते हुए एक बार फिर नया रिकॉर्ड कायम किया और अपना वर्चस्व साबित किया। अलेक्ना ने पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक हासिल किया था और तभी से उनकी गिनती दुनिया के सर्वश्रेष्ठ चक्का फेंक खिलाड़ियों में होने लगी।

गेंद बदलने का फायदा मिला : कर्ण

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मुंबई इंडियंस के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने माना कि 13वें ओवर के बाद गेंद बदलने का टीम को फायदा मिला। उन्होंने तीन अहम विकेट लेकर लगभग हारा हुआ मैच मुंबई की झोली में डाल दिया। एक समय 11वें ओवर में एक विकेट पर 119 रन बना चुकी दिल्ली की टीम ने आखिरी नौ विकेट 74 रन के भीतर गंवा दिए। कर्ण ने अभिषेक पोरेल, केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स के विकेट लिए। उन्होंने जीत के बाद कहा, मैंने सोचा नहीं था कि ओस होगी। पहली पारी में ओस नहीं थी। इसलिए जब गेंद बदली तो सीम नहीं थी। इससे मुझे फायदा मिला। यह अच्छी बात है कि छह सात साल बाद मुंबई टीम में लौटा। वहीं से शुरू किया जहां 2017 में छोड़ा था। उन्होंने कहा, मैच में उस समय दिल्ली की टीम 10.11 रन प्रति ओवर बना रही थी। मेरा काम बीच के ओवरों में विकेट लेना था। मिचेल सेंटनेर और मैंने वही किया। ऐसे मैचों में हर विकेट महत्वपूर्ण है। जिस तरह से वे खेल रहे थे। निश्चित तौर पर राहुल उनके लिए बड़ा नाम है जिसने पिछले मैच में जीत दिलाई थी। हमारे लिए हर विकेट महत्वपूर्ण था। उन्होंने स्वीकार किया कि करुण नायर के विकेट ने मुंबई को मैच में लौटाया। उन्होंने कहा, करुण के आउट होने के बाद उनकी लय टूटी। उसके बाद लगातार दो तीन विकेट गिर गए और मैच पलट गया।

सलीमा की कप्तानी वाली भारतीय टीम में पांच नए चेहरे

● ऑस्ट्रेलिया दौरे में महिला टीम को खेलने हैं पांच टेस्ट मुकाबले

एजेंसी । नई दिल्ली

ज्योति सिंह और सुजाता कुजूर सहित पांच हॉकी खिलाड़ियों को पहली बार सीनियर महिला टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सोमवार को घोषित टीम में अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे भी नया चेहरा होंगी। हॉकी इंडिया ने 26 सदस्यीय टीम की कमान सलीमा टेटे को ही सौंपी है। अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप कप्तान होंगी।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौर में उसकी ए टीम (2 मैच) और सीनियर टीम (3 मैच) से पांच टेस्ट मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 26 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले से होगी। दौरे का अंतिम मुकाबला चार मई खेल जाएगा। सभी मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में ही होंगे। यह दौरा जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। टीम अनुभवी और नए खिलाड़ियों का मिश्रण है। अनुभवी सविता और युवा बिचू देवी खारीबाम गोलकीपर की जिम्मेदारी संभालेंगी। रक्षा पंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना और साक्षी राणा शामिल हैं।

> 'हमने संतुलित टीम का चयन किया है जो अनुभव और युवा का अच्छा मिश्रण है। युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और सीनियर शिविर में अपना कौशल दिखाया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौती का किस तरह से सामना करते हैं।'
>
> – **हरेंद्र सिंह, भारतीय कोच**

टीम

- **गोलकीपर :** सविता, युवा बिचू देवी खारीबाम। **डिफेंडर :** ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना, साक्षी राणा।
- **मिडफील्डर :** सलीमा टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव, लालरेम्सियामी।
- **फॉरवर्ड :** नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग, ब्यूटी डुंगडुंग।
- **स्टैंड बाई :** बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) व मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड)।

आईपीएल में नया नियम

मैदान पर ही हो रही बल्ले की जांच

एजेंसी । नई दिल्ली

आईपीएल 2023 के मौजूदा सत्र में अंपायरिंग के तौर-तरीकों में अहम बदलाव देखने को मिल रहा है। अब मैदानी अंपायर बल्लेबाजों के बल्लों की फील्ड पर ही जांच कर रहे हैं ताकि कोई खिलाड़ी बल्ले के आकार का अनुचित लाभ न उठा सके। इससे पहले यह प्रक्रिया केवल ड्रेसिंग रूम में की जाती थी।

बीते दिनों राजस्थान रॉयल्स के शिमरोन हेटमायर, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फिल सॉल्ट और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के बल्ले को मैदान पर 'बैट गेज' से मापा गया। हालांकि, तीनों खिलाड़ियों के बल्ले आईसीसी के तय मानकों के अनुरूप पाए गए। बीसीसीआई ने अंपायरों को जरूरत पड़ने पर खेल के दौरान ही बल्ले की जांच करने की अनुमति दी है। पावर हिटिंग के इस दौर में बोर्ड अधिक सतर्कता बरतना चाहता है। बीसीसीआई के एक पूर्व अनुभवी अंपायर ने भी इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि अगर कोई खिलाड़ी जांच के लिए एक बल्ला देता है और मैदान पर दूसरा इस्तेमाल करता है, तो यह जांच जरूरी हो जाती है।

'मैं तो सीधा-सादा चोर हूं...'

'ज्वेल थीफ' के ट्रेलर में दिखा सैफ अली खान का जलवा

काफी समय से चर्चा में रही सैफ अली खान की फिल्म 'ज्वेल थीफ : द हीस्ट बिगिन्स' आखिरकार एक कदम और आगे बढ़ गई है, क्योंकि इसका ट्रेलर अब जारी कर दिया गया है। फिल्म का निर्देशन कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल ने मिलकर किया है, जबकि सिद्धार्थ आनंद इसके निर्माता हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान के साथ जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी दमदार भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'ज्वेल थीफः द हीस्ट बिगिन्स' के ट्रेलर की सबसे दिलचस्प बात ये है कि इसमें फिल्म की कहानी से ज्यादा कैरेक्टर्स की परतें और टोन सामने लाई गई हैं। जहां एक ओर सैफ अली खान को एकदम बिंदास, स्मार्ट और चुलबुले अंदाज में पेश किया गया है, वहीं जयदीप अहलावत का किरदार काफी गंभीर, रहस्यमयी और डार्क शेड्स से भरा हुआ नजर आता है। ट्रेलर की खासियत यह है कि इसमें प्लॉट को पूरी तरह रिवील नहीं किया गया, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। फैंस इस ट्रेलर को काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स दे रहे हैं और सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है।

ट्रेलर में सैफ अली खान और जयदीप अहलावत का जबरदस्त आमना-सामना देखने को मिला है, जो एक दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में सैफ एक चालाक और स्टाइलिश लुटेरे की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि जयदीप उनके सामने एक कड़े विरोधी के रूप में नजर आते हैं। ट्रेलर में इन दोनों के अलावा कुणाल कपूर, निकिता दत्ता और अन्य सितारों की भी झलक दिखाई गई है। खास बात यह है कि यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल, 2025 रिलीज होगी। फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर लग रही है, जो सस्पेंस और स्टाइल से भरपूर है।

थ्रिलर ड्रामा 'दायरा' में नजर आएंगी करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर हाल ही में फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। हमेशा की तरह इस फिल्म में भी उनके अभिनय को खूब सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। करीना के प्रशंसक काफी समय से उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे थे और अब उनका यह इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। दरअसल, करीना कपूर ने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर दी है, जिसका नाम 'दायरा' है ।

करीना कपूर की आने वाली फिल्म 'दायरा' में साउथ के जाने-माने अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन उनका साथ देंगे। यह पहली बार है, जब करीना और पृथ्वीराज बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार कर रही हैं, जो इससे पहले 'राज़ी' और 'सैम बहादुर' जैसी सराहनीय फिल्में बना चुकी हैं। करीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह पृथ्वीराज और मेघना के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने 'दायरा' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है, जिससे साफ है कि यह फिल्म उनके लिए कितनी खास है।

'दायरा' फिल्म जंगली पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है, जिसकी कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म 'दायरा' की स्क्रिप्ट को मेघना गुलजार ने यश केसवानी और सीमा अग्रवाल के साथ मिलकर लिखा है। 'दायरा' की कहानी कानून और न्याय के बीच की उस महीन रेखा को सामने लाएगी, जहां अक्सर नैतिकता और सच्चाई के मायने बदलते नज़र आते हैं। यह फिल्म न सिर्फ रोमांचक होगी, बल्कि सोचने पर मजबूर भी करेगी। इस बार दर्शकों को एक खास ट्रीट मिलने वाली है, क्योंकि करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएगी।

भावनाओं से भरा 'सो लेने दे', 'ग्राउंड जीरो' का पहला गाना जारी

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ग्राउंड जीरो' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म साल 2025 की चर्चित फिल्मों में शामिल है। फिल्म का निर्देशन तेजस देओस्कर ने किया है, जबकि इसके निर्माता रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर हैं। अब फिल्म के मेकर्स ने इसका पहला गाना 'सो लेने दे' रिलीज कर दिया है। इस दिल छू लेने वाले ट्रैक को जुबिन नौटियाल और अफसाना खान ने अपनी आवाज़ दी है। ट्रेलर के अंत में कुछ सेकंड के लिए सुनाई दिया 'सो लेने दे' अपने छोटे से हिस्से में ही दिल को छू गया था। अब जब यह गाना पूरी तरह सामने आया है, तो यह देशभक्ति, जुदाई और आत्मिक शक्ति की भावनाओं को और भी गहराई से महसूस कराता है। जुबिन नौटियाल और अफसाना खान की भावपूर्ण आवाज़ में गाए इस गीत में वायु के इमोशनल बोल और तनिष्क बागची व आकाश राजन की संगीतमय रचना ने मिलकर फर्ज़ और बलिदान को एक सच्ची श्रद्धांजलि दी है। 'ग्राउंड जीरो' एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है, जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीते 50 वर्षों के सबसे प्रभावशाली ऑपरेशनों में से एक को पर्दे पर उतारा गया है। फिल्म में इमरान हाशमी डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

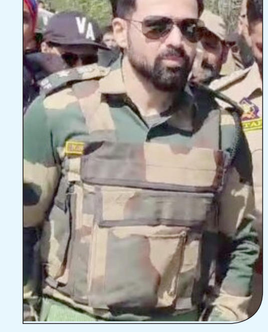

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

गुजरात बनता जा रहा है ड्रग्स तस्करी का हॉटस्पॉट

- समुद्र में पकड़े गए 1800 करोड़ के ड्रग्स
- रातभर चला एंटी नारकोटिक्स ऑपरेशन

एजेंसी | अहमदाबाद/पोरबंदर

गुजरात में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। इंडियन कोस्ट गार्ड (ICG) और गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) के ज्वाइंट ऑपरेशन में 300 किलो ड्रग्स जब्त की गई है, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 1800 करोड़ बताई जा रही है। यह खेप 12-13 अप्रैल की रात पोरबंदर से करीब 190 किलोमीटर दूर समुद्र में पकड़ी गई।

पाकिस्तानी बोट होने की आशंका

ATS से खुफिया जानकारी मिलने के बाद ICG ने IMBL (इंटरनेशनल मैरीटाइम बॉर्डर लाइन) की ओर पेट्रोलिंग बढ़ाई। अंधेरे में संदिग्ध बोट दिखने पर उसे रुकने का इशारा किया गया, लेकिन बोट पर सवार तस्कर घबरा गए। उन्होंने पूरी ड्रग्स समुद्र में फेंक दी और बोट लेकर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार भाग निकले। प्रारंभिक जांच में बोट का संबंध पाकिस्तान से होने की आशंका जताई गई है।

ड्रग्स मेथामफेटामाइन होने की संभावना

फेंकी गई ड्रग्स को रेस्क्यू बोट की मदद से बाहर निकाला गया। जब्त की गई खेप को पोरबंदर में ATS को सौंप दिया गया है। प्राथमिक तौर पर ये ड्रग्स मेथामफेटामाइन बताई जा रही है, लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

सात साल में तस्करी के कई बड़े मामले

- नवंबर 2024: पोरबंदर से 500 किलो ड्रग्स बरामद, 700 करोड़ से ज्यादा कीमत।
- सितंबर 2024: दिल्ली क्राइम ब्रांच ने समुद्री रास्ते से आई 228 किलो गांजा जब्त किया।
- अप्रैल 2021: 30 किलो हेरोइन के साथ 8 पाकिस्तानी गिरफ्तार, 150 करोड़ कीमत।
- जनवरी 2020: मछली पकड़ने वाली नाव से 35 किलो हेरोइन बरामद, 175 करोड़ की कीमत।
- जुलाई 2017: व्यापारी जहाज से 1500 किलो हेरोइन बरामद।

गवाही देते आंकड़ें

- अप्रैल 2024: ICG ने पोरबंदर के पास 86 किलो ड्रग्स जब्त की थी (600 करोड़ कीमत)।
- फरवरी 2024: भारतीय नौसेना और NCB ने 3300 किलो ड्रग्स पकड़ी थी, जिसकी कीमत 1300 से 2000 करोड़ तक आंकी गई।
- नवंबर 2024: अंडमान के पास 6000 किलो ड्रग्स जब्त की गई, नाव से म्यांमार के 6 तस्कर गिरफ्तार हुए।

जांच एजेंसियां सतर्क

ATS और कोस्ट गार्ड अब इस ऑपरेशन के पीछे के नेटवर्क को खंगालने में जुट गई हैं। ड्रग्स की गुणवत्ता की जांच के लिए फॉरेंसिक टीमों को भी लगाया गया है। इस बीच, गृह मंत्रालय और अन्य खुफिया एजेंसियों से जुड़े अधिकारी भी अलर्ट पर हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली में वीजा के बिना रह रहे 15 विदेशी पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बिना वैध वीजा के भारत में रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 12 नाइजीरियन, 2 बांग्लादेशी और 1 आइवरी कोस्ट का नागरिक शामिल है। यह कार्रवाई मोहन गार्डन और उत्तम नगर इलाके में की गई। पुलिस के मुताबिक, सभी विदेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। जांच के बाद इन्हें डिटेंशन सेंटर भेजा गया, जहां से आगे की प्रक्रिया के लिए FRRO (विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय) को सूचित किया गया। FRRO ने सभी को डिपोर्ट (देश से निकाला) करने का आदेश जारी किया है। पुलिस की यह कार्रवाई विदेशियों की निगरानी के तहत हुई है।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ सीपीआई पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के खिलाफ अब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शीर्ष अदालत में केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए वक्फ संशोधन अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए सीपीआई ने अपनी याचिका में कहा है कि लोगों के व्यापक विरोध के बावजूद, केंद्र सरकार ने इसे लागू किया है।

तेलंगाना सरकार ने एससी आरक्षण को तीन ग्रुप में बांटा

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना सरकार ने सोमवार को अनुसूचित जाति (SC) के आरक्षण में बदलाव करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश में SC समुदाय को तीन भागों में बांटा गया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस आदेश की जानकारी जल संसाधन मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दी। उन्होंने बताया- 'तेलंगाना सरकार ने अक्टूबर 2024 में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज शमीम अख्तर की अध्यक्षता में एक कमीशन का गठन किया था।'

कमीशन ने की थी सिफारिश

इस कमीशन ने SC समुदाय की 59 जातियों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 15 प्रतिशत के कुल आरक्षण के लिए तीन वर्गों (वर्ग I, वर्ग II और वर्ग III) में बांटने की सिफारिश की थी। इस कानून को लागू करने से पहले रविवार को सचिवालय में कैबिनेट की अंतिम बैठक हुई। सिफारिश को 8 अप्रैल को तेलंगाना के राज्यपाल की मंजूरी मिली थी। जिसके बाद इसे इसे 143अप्रैल को इसे लागू किया गया है। SC वर्ग को पहले की तरह 15% ही आरक्षण मिलेगा, लेकिन अब इसे अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है।

किसको कितना आरक्षण मिला

ग्रुप-1	ग्रुप-2	ग्रुप-3
सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी 15 जातियां	18 जातियां जो कुछ हद तक लाभ में रही हैं	26 जातियां जो पहले से अधिक लाभ पा चुकी हैं
1% आरक्षण मिलेगा।	9% आरक्षण मिलेगा।	5% आरक्षण मिलेगा।

किस आधार पर हुआ बंटवारा

जस्टिस शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाली कमीशन ने अलग-अलग SC उप-जातियों की आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक स्थिति का अध्ययन किया। आयोग ने सर्वे के दौरान लोगो से भी सुझाव मांगे। 8600 से अधिक लोगों से सुझाव और अभिव्यक्ति प्राप्त हुई। जनसंख्या वितरण, साक्षरता दर, उच्च शिक्षा में भागीदारी, रोजगार, सरकारी योजनाओं से लाभ और राजनीतिक भागीदारी जैसे कई पॉइंट पर समुदाय को मापा गया। कमीशन ने सभी समुदायों की बात सुनने के बाद अपनी रिपोर्ट दी।

SC ने पिछले साल दी थी मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त 2024 को SC-ST के भीतर उप-वर्गीकरण को मंजूरी दी थी। सात जजों की बैंच ने 6:1 के बहुमत से ये फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- 'राज्यों को डेटा के आधार पर SC-ST के अंतर्गत आरक्षण में वर्गीकरण करने का अधिकार है। अगर किसी राज्य में अनुसूचित जाति के लिए 15% आरक्षण है, तो वह इस 15 फीसदी आरक्षण को विभिन्न SC समुदायों के बीच उनके पिछड़ेपन के आधार पर बांट सकता है।' जस्टिस बीआर गवई सहित छह जजों ने उप-वर्गीकरण का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था- 'SC/ST एक समान वर्ग नहीं हैं और कुछ समुदाय दूसरों से अधिक पिछड़े हो सकते हैं।' वहीं, जस्टिस विक्रम नाथ ने उप-वर्गीकरण को लेकर असहमति जताई थी।

शिक्षक भर्ती रद्द मामला

जंतर मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी

एजेंसी | कोलकाता/नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 26,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द किए जाने के फैसले के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जहां इस फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, वहीं बेरोजगार हुए शिक्षक अब दिल्ली का रुख कर रहे हैं।

16 अप्रैल को जंतर मंतर पर प्रदर्शन

'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम' के बैनर तले शिक्षकों का एक वर्ग 16 अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना देगा। इस समूह के प्रवक्ता महबूब मंडल ने बताया कि दो बसों में सवार होकर 70 शिक्षक कोलकाता के एस्प्लेनेड से दिल्ली रवाना हुए हैं।

ममता बनर्जी बोलीं- एक भी नौकरी नहीं जाएगी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करती हैं, लेकिन किसी भी योग्य शिक्षक की नौकरी नहीं जाने देंगी। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से बर्खास्त कर्मचारियों को स्वैच्छिक रूप से काम देने का प्रस्ताव भी रखा है, जिसे अधिकांश लोगों ने अस्वीकार कर दिया है।

प्रवक्ता महबूब मंडल ने कहा कि 2016 की एसएससी परीक्षा पास करने वाले योग्य उम्मीदवारों को उन लोगों के साथ जोड़ दिया गया, जिन्होंने भ्रष्ट तरीके से नौकरियां हासिल की थीं। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे चयन को रद्द कर दिया, जिससे हजारों ईमानदार अभ्यर्थी भी प्रभावित हुए हैं।

कोलकाता में भी जारी है विरोध

दिल्ली में जहां तीन घंटे का प्रतीकात्मक धरना होगा, वहीं कोलकाता के एस्प्लेनेड स्थित वाई-चैनल पर योग्य अभ्यर्थियों का प्रदर्शन पहले की तरह जारी रहेगा।

आंबेडकर जयंती पर कांग्रेस ने जारी की 5 मांगें

खरगे का पांच सूत्रीय एजेंडा

- जातिगत जनगणना की मांग
- SC-ST सब-प्लान की बहाली
- राज्यों के आरक्षण को संविधान की अनुसूची-9 में शामिल करने की मांग
- प्राइवेट कॉलेजों में आरक्षण लागू करने की मांग
- महिला आरक्षण में SC, ST, OBC महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की मांग

एजेंसी | नई दिल्ली

संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. आंबेडकर की जयंती के मौके पर कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत बयान जारी करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ आंबेडकर के नाम का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है, जबकि उनके सामाजिक न्याय के विचारों को नजरअंदाज कर रही है।

भाजपा पर इतिहास को तोड़-मरोड़ने का आरोप

एक वीडियो संदेश में खरगे ने भाजपा पर सीधा हमला करते हुए कहा कि "भाजपा और RSS, बाबासाहेब के मूल विचारों के खिलाफ रहे हैं। उन्होंने बाबा साहेब को चुनाव में हराने की साजिशें रचीं। उनके वैचारिक पूर्वजों ने संविधान की प्रतियां जलाईं और आज वही लोग सत्ता में हैं।"

भाजपा से सवाल

खरगे ने पूछा कि भाजपा ने अब तक आंबेडकर के कौन से सिद्धांत अपनाए हैं। उन्होंने बौद्ध धर्म को लेकर भाजपा नेताओं की कथित प्रतिक्रियाओं की भी आलोचना की और कहा कि बाबा साहेब की विरासत को अपमानित करने वाले अब उन्हें राजनीतिक रूप से भुनाने की कोशिश कर रहे हैं।

मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री का निधन

कुआलालंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अहमद बदावी का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। कुआलालंपुर के एक अस्पताल ने यह जानकारी दी है। अब्दुल्ला को 25 अप्रैल, 2024 को नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट में क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती कराया गया था। अब्दुल्ला न्यूमोथोरैक्स नाम की बीमारी से पीड़ित थे। अब्दुल्ला को ₹पाक लाहर₹ के नाम से भी जाना जाता था, उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने के बाद रविवार को कुआलालंपुर के स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हार्ट में भर्ती कराया गया था, जहां हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम द्वारा उनकी बारीकी से निगरानी की जा रही थी।

बांग्लादेश में योगी पैटर्न

'मंगल शोभायात्रा' का नाम बदला गया

- शेख हसीना ने उठाए सवाल, नाम बदलने पर जताई नाराजगी

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की धर्मनिरपेक्ष संस्कृति पर हो रहे हमलों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पर काबिज स्वतंत्रता विरोधी ताकतें बांग्लादेश की सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचा रही हैं।

'मंगल शोभायात्रा' का नाम बदलना कट्टरपंथ का परिणाम

बंगाली नववर्ष पोइला बैसाख की शुभकामनाएं देते हुए शेख हसीना ने कहा कि इस अवसर पर वर्षों से निकाली जाने वाली पारंपरिक शोभायात्रा का नाम बदल देना दर्शाता है कि अब बांग्लादेश में धर्मनिरपेक्ष संस्कृति पर हमला हो रहा है। उन्होंने बताया कि 'मंगल शोभायात्रा' का नाम बदलकर 'आनंदो शोभायात्रा' इसलिए किया गया क्योंकि कट्टरपंथी तत्व इसे हिंदू परंपरा से जुड़ा मानते हैं।

UNESCO की विरासत के साथ खिलवाड़

हसीना ने कहा कि यूनेस्को ने वर्ष 2016 में 'मंगल शोभायात्रा' को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया था। बावजूद इसके उसका नाम बदलना यह दर्शाता है कि देश की विरासत और पहचान को मिटाने की साजिश की जा रही है।

जनता से एकजुट होने की अपील

शेख हसीना ने बांग्लादेश के लोगों से अपील की कि वे देश की आजादी और संस्कृति के विरोधियों को सत्ता से बाहर करने के लिए एकजुट हों।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बाबासाहेब आंबेडकर को दी पुष्पांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश भर के नेताओं ने सोमवार को भीम राव आंबेडकर को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि दी। इस असर पर प्रधानमंत्री कहा कि आंबेडकर की प्रेरणा के कारण ही देश आज सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने के लिए समर्पित है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आंबेडकर के सिद्धांत और विचार आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण को मजबूती और गति देंगे। मोदी आंबेडकर को पुष्पांजलि देने के लिए संसद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई अन्य नेताओं के साथ भी शामिल हुए।

सऊदी अरब ने भारत सहित 14 देशों के वीजा पर लगाई रोक

एजेंसी | नई दिल्ली

सऊदी अरब ने पिछले दो हफ्ते के अंदर तीसरा बड़ा झटका दिया है। पहले भारत समेत 14 देशों पर अस्थाई रूप से वीजा प्रतिबंध लगाया ताकि उमराह और हज के दौरान खलल न पड़े। उसके बाद पिछले हफ्ते उन विदेशियों को 29 अप्रैल तक देश छोड़ने का फरमान सुनाया था, जो उमराह करने के लिए वैध वीजा लेकर सऊदी अरब पहुंचे थे। अमूमन लोग उमराह करने जाते थे और अवैध तरीके से लंबी अवधि तक वहां ठहर जाते थे ताकि हज करके लौटें। इससे मक्का में हज के दौरान काफी भीड़ हो जाती थी। अब कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सऊदी अरब सरकार ने एक और सख्त कदम उठाते हुए भारत के प्राइवेट हज कोटे में अचानक 80 फीसदी तक की कटौती कर दी है।

इस साल 1,75,025 भारतीय तीर्थयात्रियों का हज कोटा

इस साल जनवरी में, भारत ने सऊदी अरब के साथ एक हज समझौता किया था, जिसके तहत 1,75,025 भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए हज का कोटा सुनिश्चित किया गया था। भारत में, हज यात्रा या तो भारतीय हज समिति द्वारा आयोजित की जाती है, जो अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के तहत काम करती है, या अधिकृत निजी टूर ऑपरेटरों द्वारा, जिन्हें हज आयोजक समूह कहा जाता है।

52,000 भारतीय हज तीर्थयात्रियों का भाग्य अनिश्चित

रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 52,000 भारतीय हज तीर्थयात्रियों का भाग्य अनिश्चित हो गया है क्योंकि क्योंकि सऊदी अरब ने मीना में आवंटित उन क्षेत्रों को रद्द कर दिया है, जो पहले निजी टूर ऑपरेटरों को आवंटित किए गए थे। बता दें कि इस साल 4 जून से 9 जून के बीच हज होने की संभावना है। हालांकि, यह चांद के दिखने पर निर्भर करेगा, जो इस्लामी कैलेंडर के अंतिम महीने, ज़िल-हज्ज की शुरुआत का संकेत देता है।

फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने जताई चिंता, पीएम मोदी से हस्तक्षेप की अपील

"52,000 से अधिक भारतीय तीर्थयात्रियों के हज स्लॉट रद्द किए जाने की खबर, बेहद चिंताजनक है, इनमें से कई तीर्थयात्रियों ने पहले ही पूरा भुगतान पूरा कर दिया है। मैं विदेश मंत्री से आग्रह करता हूँ कि वे सभी प्रभावित तीर्थयात्रियों के हित में समाधान खोजने के लिए जल्द से जल्द सऊदी अधिकारियों से संपर्क करें। यह कदम इस साल पवित्र तीर्थयात्रा करने की उम्मीद कर रहे हजारों लोगों की परेशानी को कम करने के लिए अहम है।

- **उमर अब्दुल्ला,** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री

"सऊदी अरब से परेशान करने वाली खबर आ रही है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के निजी हज कोटे में से 80 फीसदी की अचानक कटौती कर दी गई है। इस फैसले से देश भर के हज यात्रियों और टूर ऑपरेटर को काफी परेशानी हो रही है।

-**महबूबा मुफ्ती**, पीडीपी प्रमुख